सांध्य दैनिक
RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 331 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 14 सितंबर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

पंचगव्य से बनाई गणेश जी की प्रतिमा : केन्या, ऑस्ट्रेलिया, अमेरिका, फ्रांस के बाद दुबई में भी विराजेंगे

बड़वानी (ए.)। एमपी के बड़वानी की मिट्टी की खुशबू और भारतीय संस्कृति की आस्था अब सात समंदर पार दुबई तक पहुंचेगी। इस गणेश उत्सव में दुबई में बड़वानी में तैयार की गई पर्यावरण मित्र गणेश प्रतिमाएं विराजेंगी। गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ की पहल के तहत इस बार 100 गणेश प्रतिमाएं तैयार की गई हैं, जिन्हें शनिवार रात दुबई भेजा गया। इनमें 50 प्रतिमाएं बड़वानी की स्थानीय मिट्टी से और 50 प्रतिमाएं पंचगव्य से बनाई गई हैं।

एनबीटी में प्रकाशित खबर के मुताबिक गायत्री परिवार युवा प्रकोष्ठ के जिला समन्वयक लखन विश्वकर्मा ने बताया कि सभी प्रतिमाओं को सड़क मार्ग से पहले वडोदरा पहुंचाया गया। वहां से इन्हें शनिवार रात विमान से दुबई भेजा गया। दुबई में ये प्रतिमाएं श्रद्धालुओं को निशुल्क वितरित की जाएंगी। यह पहला अवसर है जब बड़वानी में तैयार गणेश प्रतिमाएं दुबई पहुंची हैं। पंचगव्य की प्रतिमाएं करीब तीन इंच ऊंची हैं और इनका वजन 50 से 100 ग्राम के

बीच है। मिट्टी से बनी प्रतिमाओं का वजन अधिकतम करीब 150 ग्राम है।

संस्था के सदस्य संजय सावनेर ने बताया कि पंचगव्य में गोबर, गोमूत्र, दूध, दही और घी का उपयोग किया जाता है। इनसे तैयार प्रतिमाएं पर्यावरण के लिहाज से सुरक्षित मानी जाती हैं।

विसर्जन के लिए भी अलग संदेश

इन प्रतिमाओं को केवल पर्यावरण मित्र तरीके से तैयार ही नहीं किया गया है, बल्कि इनके विसर्जन को लेकर भी श्रद्धालुओं को विशेष संदेश दिया जा रहा है। संस्था के सदस्य दिनेश चौधरी और पूनम पंडित ने बताया कि दुबई भेजी गई प्रतिमाओं के साथ श्रद्धालुओं को यह निर्देश दिया गया है कि उत्सव के बाद प्रतिमाओं को किसी जलस्रोत में विसर्जित करने के बजाय घर के गमले में या पेड़ के नीचे मिट्टी में विसर्जित करें। इससे जलस्रोतों में होने वाले प्रदूषण को रोकने में मदद मिलेगी। गमले में यह खाद का काम करेगा।

खास-खबर

इंदौर में 3 टन के बप्पा, 72 फीट ऊंची प्रतिमा हैदराबाद में

मुंबई। देशभर में सोमवार से गणेश महोत्सव शुरू हो गया है। इंदौर के तिलक नगर में 3 टन मिट्टी से 14 फीट ऊंची गणेश प्रतिमा विराजित की गई है। प्रतिमा और पूरे पंडाल को प्रकृति-पशु कल्याण का संदेश देने के रूप में सजाया गया है। वहीं हैदराबाद के खैरताबाद में 72 फीट ऊंची प्रतिमा लाई गई है। मुंबई के प्रसिद्ध लालबाग के राजा का पंडाल और बप्पा की प्रतिमा शिव की थीम पर आधारित है, जिसके केंद्र में एक विशाल त्रिशूल भी सजाया गया है। मंडल के अनुसार यह उसका 93वां गणेशोत्सव है।

जमानत मिलने पर विजय जुलूस निकालना पड़ा भारी

चरखी दादरी। हरियाणा के चरखी दादरी जिले में हत्या के मामले में तीन साल से अधिक समय जेल में रहने के बाद जमानत पर बाहर आए आरोपी विशाल को जमानत मिलने की खुशी में कथित तौर पर विजय जुलूस निकालना भारी पड़ गया। मामले में गवाहों को धमकाने के आरोपों और जमानत के बाद विजय जुलूस निकाले जाने की शिकायत पर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा पुलिस को आरोपी को हिरासत में लेकर अपने समक्ष पेश करने का आदेश दिया है। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने कहा कि जमानत मिलने के बाद विजय जुलूस निकालना उचित नहीं है।

युवती की निजी तस्वीरें घरवालों को भेजी, गिरफ्तार

रायपुर। युवती की निजी तस्वीर सोशल मीडिया और वॉट्सऐप के जरिए उसके भाई और परिजनों को भेजने के मामले में पुलिस ने 28 वर्षीय परिमल भाई जयंती भाई कोंकणी को गुजरात से गिरफ्तार किया है। उसे 25 सितंबर तक न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने टिकरापारा थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उसने बताया कि आरोपी ने उसकी निर्वस्त्र तस्वीरें उसके भाई और अन्य परिजनों को वॉट्सऐप के जरिए भेजी थी। इसके साथ गाली-गलौज वाले मैसेज भी भेज थे।

केदारनाथ रूट पर लैंडस्लाइड, एक की मौत, यात्रा रुकी

नई दिल्ली। देश के कई राज्यों में बारिश अब आफत बनती जा रही है। उत्तराखंड में जगह-जगह लैंडस्लाइड हो रही है। केदारनाथ के चीरबासा हेलिपैड के पास पहाड़ से चट्टानें गिरने से 65 साल के व्यक्ति की मौत हो गई। पैदल मार्ग पर भी लैंडस्लाइड हुई, जिसके बाद यात्रा रोक दी गई। भीमबली से केदारनाथ के बीच करीब 1,000 यात्री फंसे हैं। इनमें कई लोगों की तबीयत बिगड़ गई। देश के अन्य भागों में भी बारिश का कहर जारी है।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को बेमेतरा के बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान एवं प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मान समारोह में शामिल हुए।

नाबालिग से निकाह के बाद संबंध बनाया तब भी लागू होगा 'पोक्सो'

पर्सनल लॉ की आड़ में नहीं हो सकता बाल विवाह : कोर्ट

नई दिल्ली (ए.)। हाल ही में केरल उच्च न्यायालय ने एक ऐतिहासिक फैसले में यह साफ कर दिया है कि देश का कानून, विशेषकर 'प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रेन फ्रॉम सेक्सुअल ऑफेंसेस' पोक्सो, किसी भी धार्मिक पर्सनल लॉ से ऊपर है। अदालत के अनुसार, अगर कोई वयस्क किसी 18 वर्ष से कम उम्र की नाबालिग से शादी करता है, तो उसे पॉक्सो एक्ट के तहत सख्त सजा भुगतनी होगी, भले ही उसका शरीयत या पर्सनल लॉ ऐसी शादी की इजाजत देता हो। यह फैसला उन मामलों में एक नजीर बन गया है, जहां पर्सनल लॉ की आड़ में बाल विवाह और यौन शोषण को कानूनी ठहराने की कोशिश की जाती है। आइए जानते हैं इस अहम फैसले के 7 सबसे खास लीगल फैक्टर्स जो हर नागरिक को जानने चाहिए।

मामले में पलक्कड़ के एक 27 साल के आरोपी ने 23 जुलाई 2021 को इस्लामी रीति-रिवाजों के अनुसार उससे शादी की थी,

जब वह 17 साल की थी। बाद में आरोपी ने कथित तौर उसके साथ जबरदस्ती यौन संबंध बनाए।

केरल हाई कोर्ट में जब मामला आया था तो अदालत ने व्यक्ति के खिलाफ 'बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण' कानून के तहत दर्ज मामले को रद्द करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने कहा कि अगर कोई व्यक्ति 18 साल से कम उम्र की लड़की के साथ यौन संबंध बनाता है, तो उस पर पोक्सो एक्ट के साथ साथ, भारतीय दंड संहिता की धारा 376 के तहत बलात्कार का मुकदमा चलाया जा सकता है, भले ही वह लड़की उसकी पत्नी ही क्यों न हो।

रायपुर में युवती को जिंदा जलाने की कोशिश

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छेड़खानी का विरोध करना युवती को भारी पड़ गया। आरोपी ने उसपर पेट्रोल छिड़ककर उसे जिंदा जलाने की कोशिश की। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

माना क्षेत्र की इस घटना में जब युवती मदद के लिए चीखने लगी तब लोग मौके पर पहुंचे और किसी तरह आग बुझाई। गंभीर हालत में उसे अस्पताल पहुंचाया गया। शरीर के कई हिस्से झुलस गए हैं और इलाज चल रहा है।

पुलिस के मुताबिक वीरू धीवर युवती के साथ छेड़छाड़ करता रहता था। युवती ने इसका विरोध किया तो दोनों के बीच विवाद हो गया। इसी दौरान आरोपी ने कथित तौर पर पेट्रोल डालकर युवती को आग लगा दी।

माना थाना पुलिस ने घटनास्थल का जायजा लेकर जांच शुरू कर दी है। आसपास के लोगों से भी जानकारी जुटाई जा रही है। पीड़िता के बयान और अब तक सामने आए तथ्यों के आधार पर आरोपी के खिलाफ छेड़छाड़ और हत्या के प्रयास की धाराओं में अपराध दर्ज किया है।

मछली में जहर देकर गर्भवती की हत्या!

नवादा। प्रभानगर गांधीधाम के पास एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। मृतका 20 वर्षीय सविता कुमारी के पति गोलू कुमार पर हत्या का आरोप लगाया गया है। सविता के मामा रंजीत ने बताया कि वह 4 माह की गर्भवती थी। शनिवार को घर में मछली बनी थी। मछली खाने के बाद सविता की तबीयत बिगड़ गई। अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

जौनपुर से नशीली दवाओं की सप्लाई करने वाला गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नशीली दवाओं की सप्लाई करने वाले नेटवर्क का उत्तर प्रदेश कनेक्शन सामने आया है। डीडी नगर थाना क्षेत्र में नशीली दवाओं की सप्लाई के मामले में पुलिस ने जौनपुर से ऋषभ सोनकर (23) को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, 27 जुलाई 2026 को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और

डीडी नगर पुलिस की संयुक्त टीम ने रायपुरा स्थित गढ़ही तालाब के पास कार्रवाई की थी।

पुलिस ने मौके से छन्नू वर्मा (21) और राहुल देव सारवा (20) को गिरफ्तार किया था। दोनों के कब्जे से 52 नग कोडिस्टार एंड एनएफ सिरप और 75 नग स्पास्मो एंड प्रॉक्सीवॉन प्लस कैप्सूल जब्त किए गए थे। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया।

पूछताछ में सामने आया कि नशीली दवाएं उन्हें जौनपुर निवासी ऋषभ सोनकर से मिली थीं। पुलिस टीम ने ऋषभ को घेराबंदी कर गिरफ्तार कर लिया।

नीले ड्रम कांड से भी आगे निकली कटिहार की यह बेगम

कटिहार (ए.)। बिहार से सामने आए एक वीडियो ने नीला ड्रम, बाथरूम कांड, सूटकेस और सर्पदंश के मामलों को पीछे छोड़ दिया है। इस वीडियो के अनुसार बेगम एवं उसके प्रेमी ने मिलकर युवक के गले पर गमछा लपेटा और दोनों सिरों को तब तक खींचा जब तक कि युवक की मौत नहीं हो गई।

कटिहार से सामने आए इस वीडियो में महिला का पति जमीन पर लुढ़का हुआ है। पत्नी उसके गले में तीन बार गमछा लपेटती है। एक तरफ से एक युवक और दूसरी तरफ से वह

खुद उसे तब तक खींचती है, जब तक पति की मौत नहीं हो जाती।

घटना मुफस्सिल थाना क्षेत्र के खोरवा गांव की है। कटिहार नगर थाना क्षेत्र के रामपाड़ा मोहल्ले का रहने वाला मो. कमरूल अपनी ससुराल खोरवा गांव में ही रह रहा था। आरोप है कि शुक्रवार रात उसकी पत्नी और ससुराल पक्ष के लोगों ने मिलकर उसकी हत्या कर दी।

इसके बाद शव को घटना के साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से पास स्थित कब्रिस्तान में दफना दिया गया।

घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आया। रविवार को मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में फॉरेंसिक टीम ने कब्र खोदकर शव बाहर निकाला। मौके से आवश्यक साक्ष्य जुटाने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया गया।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में यह पूरा मामला दिखाई दे रहा है।

ऐसे खेला जाता है 'डिजिटल अरेस्ट' का खेला

सिमबॉक्स नेटवर्क : फिंगरप्रिंट आपका मगर सिमकार्ड किसी और का

नई दिल्ली (ए.)। सीबीआई ने अवैध सिम की सप्लाई के आरोप में एयरटेल के एक एरिया डिस्ट्रीब्यूटर को गिरफ्तार किया है। जांच में 1300 से ज्यादा सिमकार्ड और देशभर के 73 साइबर क्राइम मामलों के बीच लिंक मिला है। इनमें 'डिजिटल अरेस्ट' वाली ठगी भी शामिल है।

एनबीटी में प्रकाशित खबर के मुताबिक बिहार से सामने आए एक बड़े सिमबॉक्स नेटवर्क ने इस खतरे की गंभीर तस्वीर सामने रखी है। सिम बॉक्स एक ऐसा इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस है जिसमें एक साथ दर्जनों या सैकड़ों सिम कार्ड लगाकर विदेशी कॉल्स और संदेशों को स्थानीय कॉल्स के रूप में आगे बढ़ाया जाता है।

सीबीआई के मुताबिक, मामला बिहार के सुपौल में पिछले साल पकड़े गए एक अवैध सिमबॉक्स ऑपरेशन से शुरू हुआ। जिस ठिकाने से नेटवर्क का पता चला, वहां 1300 से ज्यादा सिम मिले। इन नंबरों का डेटा

खंगालने पर बड़ी संख्या में सिम बिहार और ओडिशा के अलग-अलग पॉइंट ऑफ सेल से जारी होने का पता चला। इसके बाद जांच वैशाली तक पहुंची, जहां एयरटेल के एक एरिया डिस्ट्रीब्यूटर पर शक गया। जांच में आरोप है कि डिस्ट्रीब्यूटर ने कई सिम के क्रेडेंशियल का कथित दुरुपयोग कर 700 से ज्यादा सिम जारी किए। कई ग्राहक ऐसे भी मिले, जिन्होंने एजेंसी को बताया कि उन्हें पता ही नहीं था कि उनके नाम पर सिम जारी हुआ है। सीबीआई को शक है कि कहीं-कहीं ग्राहक से असली काम के दौरान एक से ज्यादा बार ई-केवायसी की मंजूरी ली गई, जबकि कुछ मामलों में पहले से लिए गए बायोमीट्रिक डेटा के दुरुपयोग की आशंका है।

सीबीआई ने जारी की एडवाइजरी

किसी अनजान दुकान या एजेंट को बिना जरूरत बायोमीट्रिक सत्यापन न दें। ई-केवायसी के दौरान स्क्रीन पर दिख रही जानकारी खुद देखें। सिम लेने के बाद यह जरूर जांचें कि आपके नाम पर कितने मोबाइल कनेक्शन चल रहे हैं।

बायोमीट्रिक के समय सावधानी जरूरी

सिम जारी करने की प्रक्रिया में ग्राहक की पहचान और बायोमीट्रिक सत्यापन अहम हिस्सा है। बायोमीट्रिक ऑथेंटिकेशन ग्राहक की सहमति और पहचान सत्यापन से जुड़ा है। ऐसे में अगर कोई एजेंट ग्राहक की मौजूदगी और जानकारी का गलत इस्तेमाल करे या ई-केवायसी प्रक्रिया में हेराफेरी करे, तो रिकॉर्ड में सिम वैध ग्राहक के नाम पर दिख सकता है, जबकि उसे कोई दूसरा शख्स इस्तेमाल कर रहा हो सकता है।

संपादकीय

मां बोली भरे झोली

भाषायी कुचक्र से मुक्त हों नौनिहाल

भारतीय नौनिहालों की बड़ी विडंबना है कि वे जब इस दुनिया में आंख खोलते हैं तो मां बोली से उनका परिचय होता है। घर में मां प्यार से जिस भाषा में बच्चे से लाड़ करती है और स्नेह उंडेलती है, वह उस बच्चे की मां बोली होती है। वह पंजाबी भी हो सकती है या तमिल आदि भी। उस भाषा में उसके पुरखों की सदियों से संरक्षित विरासत होती है। उसके रक्त में उसके प्रति सम्मोहन होता है। बच्चा बड़ा होता है तो आस-पड़ोस के बच्चों से उसका हिंदी या राज्य की भाषा में संवाद होता है। उसके लिए यह नई भाषा होती है। उसमें मां बोली जैसी सहजता और सरलता नहीं होती, लेकिन वह उसे सीखता है। दोस्तों के बीच खुद को अभिव्यक्त करता है। फिर स्कूल पहुंचता है तो उसे हिंदी के बाद अंग्रेजी से रूबरू होना पड़ता है। जाहिर है, यह वह भाषा होती है जो आमतौर पर उसके मां-बाप या दादा-दादी नहीं बोलते। लेकिन उस पर उसे सीखने और बोलने का दबाव होता है। अपनी जिस ऊर्जा को बच्चा सीखने और नया ज्ञान खोजने में लगा सकता है, उसे अपनी सारी ऊर्जा भाषायी जंजाल से उबरने में लगानी पड़ती है। यदि बच्चा अपनी मां बोली या हिंदी में अपनी पढ़ाई करता तो उसकी वास्तविक ऊर्जा और समय नया ज्ञान अर्जित करने में लगते। निश्चय ही यह भाषायी व्यवधान उसकी नैसर्गिक विकास गति को प्रभावित करते हैं। क्या कभी भाषा पर राजनीति करने वाले राजनेताओं ने बच्चों की इस समस्या पर संवेदनशील ढंग से विचार किया है?

> “ मां बोली जैसी सहजता और सरलता नहीं होती, लेकिन वह उसे सीखता है। दोस्तों के बीच खुद को अभिव्यक्त करता है। फिर स्कूल पहुंचता है तो उसे हिंदी के बाद अंग्रेजी से रूबरू होना पड़ता है। जाहिर है, यह वह भाषा होती है जो आमतौर पर उसके मां-बाप या दादा-दादी नहीं बोलते। लेकिन उस पर उसे सीखने और बोलने का दबाव होता है। अपनी जिस ऊर्जा को बच्चा सीखने और नया ज्ञान खोजने में लगा सकता है, उसे अपनी सारी ऊर्जा भाषायी जंजाल से उबरने में लगानी पड़ती है। यदि बच्चा अपनी मां बोली या हिंदी में अपनी पढ़ाई करता तो उसकी वास्तविक ऊर्जा और समय नया ज्ञान अर्जित करने में लगते।

गंभीर और शोचनीय स्थिति यह है कि जब बच्चा गांव से पढ़कर उच्च शिक्षा के लिए शहर जाता है तो यह भाषायी अवरोध उसकी प्रगति को बाधित करता है। निस्संदेह, गांव से आने वाला बच्चा फर्राटेदार अंग्रेजी नहीं बोल सकता। समाज की आर्थिक विषमता ने शिक्षा व्यवस्था में भी गहरा विभाजन पैदा किया है। एक तरफ पांच सितारा पब्लिक स्कूल हैं, जिन्हें समाज के धनाढ्य लोगों द्वारा राजनीतिक संरक्षण में संचालित किया जाता है। वहां सोने-चांदी की चम्मच लेकर पैदा हुए बच्चों को दाखिला मिलता है। दाखिला लेना उनकी अपनी नहीं, बल्कि उनके माता-पिता की योग्यता होती है, क्योंकि वे मोटी फीस भरते हैं। इस भेड़चाल में मध्यवर्गीय लोगों के बच्चे भी शामिल होते हैं, लेकिन अपने माता-पिता के नौकरी में खटने और कर्ज लेने की कीमत पर। इसमें गांव के उस कुशाग्र बुद्धि के बच्चे का क्या कसूर है, जिसे इन पांच सितारा स्कूलों में पढ़ने का मौका नहीं मिल सका? उसके मां-बाप इतना पैसा नहीं दे सके। फिर यह विभाजन आगे चलकर तमाम प्रतियोगी परीक्षाओं में भी नजर आता है। अंग्रेजीदां अधिकारियों की प्राथमिकता अक्सर अंग्रेजी माध्यम से पढ़े छात्र ही होते हैं। यह भाषायी विभाजन एक स्वस्थ प्रतियोगिता को रोक देता है, जिसका त्रास बच्चा जीवनभर झेलता है। उसके भविष्य और सामाजिक हैसियत का निर्धारण केवल भाषा करने लगती है। खबरें आती हैं कि देश के शीर्ष शिक्षण संस्थानों आईआईटी और आईआईएम पहुंचने वाले वे छात्र पाठ्यक्रम से सामंजस्य नहीं बना पाते, जो हिंदीभाषी और क्षेत्रीय भाषा वाले स्कूलों से आते हैं। यहां तक कि आत्महत्या करने वाले छात्रों में भी उनकी संख्या देखने को मिलती है। हिंदी दिवस पर भाषा के इस विद्रूप पर गंभीर विमर्श होना चाहिए।

डरकर पूजा न करें, लेकिन पूजा करेंगे तो डर स्वतः मिट जाएगा

पं. विजयशंकर मेहता

अब समय आ गया है कि हम बच्चों को पूजा से जोड़ें और पूजा का सही अर्थ भी बताएं। हमने तो पूजा डर-डरकर की। एक व्यक्ति दावा करता था कि मैं रात को पूजा करके ही सोता हूं। किसी ने एक दिन पूछ लिया कि आप रात को पूजा क्यों करते हैं? तो उसने कहा, क्योंकि मैं रात के अंधेरे में डरता हूं तो डर को दूर करने के लिए पूजा करता हूं। अखाड़े में उस्ताद खड़ा हो तो लोग कसरत करते हैं। हमने पूजा को भी ऐसी ही एक एक्टिविटी बना दिया। जबकि पूजा कोई कसरत नहीं है। वह परमात्मा से सीधी बातचीत है और इस वार्ता को करने के लिए कोई मध्यस्थ चाहिए भी नहीं। कोई दबाव नहीं होना चाहिए।

दुनिया में सभी डरे हुए हैं, लेकिन डरकर पूजा मत करिए। हां, पूजा करिए, डर अपने आप मिट जाएगा। हमारे देश में 80% बच्चे स्कूल से आकर तुरंत मोबाइल मांगते हैं। 75% बच्चे भारत के घरों में भोजन करते समय मोबाइल देखते हैं। वह खालीपन जो वह मोबाइल से भर रहे हैं, हम समय रहते पूजा से भर सकते हैं।

प्रादेशिक भाषाओं के सागर में गोता लगाए हिंदी

नरेश कौशल

हर साल हिंदी दिवस आता है, सरकारी दफ्तर सजते हैं, भाषण होते हैं और अखबारी कतरनें सहेजी जाती हैं। फिर हिंदी अपनी नियति पर लौट जाती है। सवाल यही है—क्या करोड़ों की भाषा को एक दिन के कर्मकांड में बांध देना पर्याप्त है?

आज हम एक बार फिर हिंदी दिवस मना रहे हैं। हम साल-दर-साल इसे मनाकर क्या हासिल करते हैं? सवाल यह है कि 53 करोड़ द्वारा बोली जाने वाली हिंदी को साल में एक दिन तक सीमित करना कितना जरूरी है? क्या हम इसे धार्मिक कर्मकांड की तरह नहीं मनाने लगे हैं? केंद्र सरकार, बैंकों व राज्य सरकारों के दफ्तरों के लिए हिंदी दिवस, हिंदी सप्ताह और हिंदी पखवाड़ा मनाने के लिए बाकायदा बजट आता है। उन्हें कार्यक्रम की कवरेज कराकर अखबारी कतरनें और चित्र अपने हिंदी विभागों को भेजने की रस्म अदायगी करनी पड़ती है। यानी हिंदी के लिए एक दिन का कर्मकांड। अक्सर व्यंग्यकार पितृपक्ष के दौरान आने वाले इस दिन को एक स्मृति दिवस के रूप में मनाने पर तंज करते हैं। वाकई कुछ ऐसा ही कि एक दिन की याद और फिर राजरानी अंग्रेजी का वर्चस्व। आखिर हम इस कर्मकांड से कब मुक्त होंगे? हिंदी को लेकर हमारे ये अहसास रोज क्यों नहीं जगते?

हिंदी आज देश की राजभाषा है। वह बात अलग है कि कुछ राज्यों के राजनीतिक स्वार्थों की वजह से हिंदी को वो दर्जा नहीं मिल पाया जो उसे हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने देना चाहा। महात्मा गांधी से लेकर तमाम गैर-हिंदी भाषियों के हिंदी के उत्थान के लिए दिये गए योगदान के लिए हिंदी समाज ऋणी है। लेकिन दुर्भाग्य है कि आज दक्षिणी राज्यों को हिंदी से तो परहेज है मगर सात समुद्र पार से आयी साम्राज्यवाद की भाषा अंग्रेजी से कोई परेशानी नहीं है। हकीकत यह भी है कि हिंदी को जटिल व पांडित्यपूर्ण बनाने वाले लोगों की वजह से हिंदी गैर हिंदी भाषी इलाकों में लोगों की जुबान पर नहीं चढ़ पायी। अंग्रेजी से किए गए गूढ़ अनुवाद ने भी समस्या को और अधिक जटिल बनाया। वास्तव में इस देश को एक संपर्क भाषा की जरूरत है। भारत को एक महाद्वीप कहा जाता है जहां कोस-कोस पर भाषा के स्वरूप में बदलाव आ जाता है। लेकिन देश को एकता के सूत्र में पिरोने के लिए कोई तो संपर्क भाषा होनी चाहिए। दुखद है कि आजादी के आठ दशक बाद भी आखिर क्यों हम हिंदी के समकक्ष ऐसी हिंदुस्तानी भाषा तैयार न कर पाये जो सबको मंजूर हो। उसमें तालमेल रखने वाले तमिल, तेलुगू, कन्नड़ और मलयाली जैसी अन्य भाषाओं के आसानी से समझ में आ सकने वाले शब्द शामिल किए जाते। हिंदी भाषियों की भी दिक्कत है कि वे दक्षिण की भाषाएं सीखने की कोशिश नहीं करते। ये बात दक्षिण भारत के लोगों को अकसर अखरती है। यही वजह है कि जानने के बावजूद वे हिंदी बोलने से परहेज करते हैं।

आज सोशल मीडिया का जमाना है। हिंदी की वीडियो देखते-देखते ही वायरल हो जाती हैं। दक्षिण भारत में भी खूब देखी व पसंद की जाती हैं। लेकिन जब हिंदी भाषा की बात आती है तो विरोध के स्वर उभरने लगते हैं। आज एआई और सोशल मीडिया के प्लेटफॉर्मों ने भाषा की दीवारों को तोड़ दिया है। डिजिटल प्लेटफॉर्मों पर हिंदी खूब धड़ल्ले से देखी-पढ़ी जा रही है। अब तो एआई से अनुवाद के जरिये हर भाषा को समझा, पढ़ा और लिखा जा सकता है। तो फिर ये भाषायी दीवारें क्यों?

उत्तर भारत में दैनिक ट्रिब्यून ने आम बोलचाल की हिंदी को बढ़ावा देने में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी। अपने स्वर्णजयंती मनाने की ओर बढ़ रह इस पत्र ने हिंदी भाषा, हिंदी साहित्य और सरल-सुबोध समाचारों के जरिये हिंदी की सेवा करने की कोशिश की है। सरदार दयाल सिंह मजीठिया के द्वारा लगाया गया 'द ट्रिब्यून' का पौधा भी अपनी यात्रा के डेढ़ साल पूरे करने की दिशा में उन्मुख है। वर्ष 1978 में जब मातृ संस्थान 'द ट्रिब्यून' परिवार द्वारा हिंदी व पंजाबी में समाचारपत्र शुरू किया गया तो तत्कालीन माननीय ट्रस्टी एम.एस. रंधावा की सोच थी कि हिंदी-पंजाबी समाज से जुड़ने के लिए उनकी भाषा में समाचार विचारों का प्रकाशन होना चाहिए। दूरदृष्टा ट्रस्टी साहिबान ने इन समाचारपत्रों की मौलिकता को बनाये रखा। उन्होंने इसे अंग्रेजी का अनुवाद बनाने से परहेज किया। जिससे इन समाचार पत्रों की ही अपनी विशिष्ट पहचान हिंदी व पंजाबी समाज में बनी।

हकीकत में हिंदी को देशव्यापी स्वीकार्यता के लिए सहज-सरल बनाने की जरूरत है। ये काम हमारी हिंदी फिल्मों ने खूब किया। कभी किसी एक फिल्मी गीत को गुनगुनाने वाले आप को कश्मीर से कन्याकुमारी तक मिल जाएंगे। कई ऐसे शब्द हैं जो किसी शब्दकोष में न हों। लेकिन जुबान चढ़ जाते हैं। वजह साफहै कि बोलने की सहजता। देश के विभिन्न चैनलों में होने वाली संगीत प्रतियोगिता में गैर हिंदी भाषी इलाकों के बच्चे अधिकार से हिंदी गाने गाते हैं। उन्हें देखकर नहीं लगता कि वे अहिंदी भाषी इलाकों से आए हैं। लेकिन जब उनसे हिंदी के बारे में बात करें तो वे कह देते हैं कि वे हिंदी नहीं जानते। तो फिर वे हिंदी का गाना बखूबी कैसे गा लेते हैं? हिंदी के मठाधीशों को भी हिंदी के इस गुण का अर्थ समझना होगा।

कोई भाषा अपने साथ सदियों के संस्कार व अनुभव समेटे हुए होती है। उस भाषा का साहित्य भाषायी संस्कारों से समृद्ध होता है। साहित्य समाज की संवेदनशीलता का पर्याय होता है। पिछले दिनों एक युवक को कहते सुना कि प्रेमचंद को पढ़ने के बाद उसका जीवन बदल गया। अच्छा साहित्य समाज में बड़े बदलाव ला सकता है। लगातार डिजिटल होती नई पीढ़ी के दौर में साहित्य से मोहभंग होना हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। फटाफटी दौर में बच्चों में गंभीर अध्ययन करने व पुस्तकों के महत्व को नजरअंदाज करना हमारी चिंता का विषय होना चाहिए। हमारे साहित्यकारों को भी सोचना होगा कि वे 'स्वांतः सुखाय' के लिए न लिखें, समाज की आकांक्षाओं को शब्दों में पिरोयें। तभी साहित्य समाज का दर्पण बन सकेगा।

समाज हो या परिवार, भाषा एक संपर्क साधन का काम करती है। परिवार व समाज को जोड़ने का काम भाषा बखूबी कर सकती है। भारत में विभिन्न राज्यों के लोगों को जोड़ने में अन्य भाषाओं के शब्दों वाली संपर्क भाषा जोड़ने का काम बखूबी कर सकती है। खासकर अपना भाषायी मुहावरा गढ़ने वाली नई पीढ़ी जेन-ज़ी इस काम को बखूबी कर सकती है। आज भारत युवाओं का देश है। देश में साठ फीसदी से अधिक युवा हैं। ये युवा फर्राटे से हिंदी बोलते हैं, हिंदी समझते हैं।

इनकी पसंद सोशल मीडिया, हिंदी फिल्में और ओटीटी प्लेटफार्म का मनोरंजन है। लेकिन मोबाइल पर सांकेतिक भाषा में टूटी-फूटी हिंगलिश लिखने वाले आधे युवा ऐसे हैं कि वे हिंदी लिख-पढ़ नहीं पाते। पढ़ते हैं तो अटक-अटक कर। यह बड़ी युवा आबादी एक पेज हिंदी में नहीं लिख पाती है। ये युवा अंग्रेज बन नहीं सकते और हिंदी के हो नहीं सकते। यह एक गंभीर समस्या है और हिंदी के भविष्य के कर्णधारों को लेकर चिंता पैदा करते हैं। इनमें बड़ी संख्या उन युवाओं की है जो अंग्रेजी माध्यम के स्कूलों से निकले हैं। तो क्या आने वाले समय में युवाओं की बड़ी आबादी के लिए हिंदी महज मौखिक भाषा बनकर रह जाएगी? हिंदी के कर्णधारों को इस गंभीर समस्या के बारे में विचार करना होगा।

आज हिंदी दिवस पर संकल्प लेने की जरूरत है कि हम साल में 365 दिन हिंदी के व्यावहारिक उत्थान के लिए प्राणपण से काम करेंगे। इसे संपर्क व देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाली भाषा के रूप में काम करेंगे। यदि हम ऐसा करते हैं तो फिर हिंदी दिवस मनाने की जरूरत न होगी।

एआई के युग में विश्वसनीयता सबसे अहम

ज्योति मल्होत्रा

पच्चीस साल पहले 9/11 घटना के परिदृश्य में जबकि तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी, परवेज़ मुशर्रफ के साथ जुलाई 2001 में हुए आगरा शिखर सम्मेलन की विफलता के परिणामों से जूझ रहे थे — अमेरिका ने अपनी सुरक्षा को पैदा हुए सबसे बड़े खतरे से निबटने में मुशर्रफ को धमकाया था कि अगर उनकी सेना अपने खुफिया विभाग के जरिए ओसामा बिन लादेन को नहीं ढूंढ़पाई या अल-कायदा को खत्म करने के लिए पड़ोस के अफगानिस्तान में अमेरिकियों की पहुंच बनाने में मदद नहीं करेगी, तो वह भयंकर बमबारी से पाकिस्तान को 'पुनः पाषाण युग' में पहुंचा देगा।

आज, 25 साल बाद, दुनिया के सबसे ताकतवर देश ने आतंकवाद पर ध्यान केंद्रित करना कम कर दिया है और इसकी बजाय अपना ध्यान अधिक उत्तेजनापूर्ण 'सुपरह्यूमन इंटेलिजेंस' (इंसान से भी ज़्यादा तेज़ दिमाग वाली तकनीक) की दौड़ पर लगा रखा है। अलबत्ता यह दौड़ एन्थ्रोपिक या ओपन एआई जैसी ताकतवर, किंतु निजी कंपनियों के ज़रिए है। लेकिन, पिछले हफ्ते, इन्हीं में से एक कंपनी को छोड़ने वाले एक एआई अनुसंधानकर्ता ने इस कोशिश का खतरनाक पहलू उजागर कर डाला, जब उसने चेतावनी दी: 'स्वयं में सुधार करने में समक्ष एआई मॉडलों का नियंत्रित विकास आखिरकार हम सबको मार डालेगा'।

खुशकिस्मती से, भारत में ऐसी डरावनी भविष्यवाणियों का असर ज़्यादा दिन नहीं रहता — रोज़मर्रा की ज़िंदगी की चुनौतियां ही इससे बड़ी हैं। अगर पहलगाम में छुट्टी मनाते सैलानियों पर हुआ जघन्य आतंकवादी हमला आपको नहीं मार पाया तो समूचे उत्तर भारत में — जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल प्रदेश भी —व्यापक सुलभ हेरोइन या 'चिट्टे' के बेतहाशा इस्तेमाल से आपकी नियति लंबे समय के लिए बर्बाद होने की बदी है। और अगर ये सब भी काम न आए, तो जॉन मेनार्ड कीन्स की यह पंक्ति तो है : 'अंततः तो हम सबको मर ही जाना है'।

जब तक आप ज़िंदा हैं, समस्या, खासकर अगर आप 'ट्रिब्यून' के पाठक हैं, वह जोखिम नहीं है जिसे आप मौत के सामान सेया उससे खिलवाड़ कर उठाते हैं, बल्कि याददाश्त और उससे प्राप्त विकल्पों की है- आखिरकार, हमारा (द ट्रिब्यून) का वजूद 1881 से है, यानी 1885 में बॉम्बे (मुंबई) के गोकुलदास तेजपाल संस्कृत कॉलेज में इंडियन नेशनल कांग्रेस की स्थापना से भी पहले से। 'द ट्रिब्यून' के पहले संपादकीय में ही लोगों की आवाज़ बनने और 'जनहित'की बात बुलंद करने का वादा किया गया था, जो खबरों की निष्पक्षता के प्रति प्रतिबद्धता दर्शाता है।

इस अख़बार के 7 सितम्बर अंक में, न्यायपालिका की आज़ादी की ज़रूरत पर छपे एक लेख ('आज़ादी का असली अर्थ') में सेवानिवृत न्यायमूर्ति दीपक गुप्ता ने जाने-माने पत्रकार करण थापर के साथ एक इंटरव्यू में निष्पक्षता के प्रति 'द ट्रिब्यून' की प्रतिबद्धता को फिर से दोहराया है। जस्टिस गुप्ता ने कहा: 'इसे एक ट्रस्ट चलाता है, न कि कोई निजी कंपनी'। उन्होंने आगे कहा कि इसीलिए 'द ट्रिब्यून' ने सनसनीखेज करने वाली पत्रकारिता का खतरा उठाने से अपना इंकार कायम रखा है।

प्रिय पाठक, आत्मश्लाघा करना इस लेख का मकसद नहीं है। बल्कि, उद्देश्य इस तथ्य को दोहराना है कि ख़बरों की विश्वस्नीयता सालों-साल, कभी-कभी दशकों या एक सदी तक मेहनत करके पाई जाती है। और आज के दौर में, जब एआई का खतरा सिर पर मंडरा रहा है और यह साफ दिखाई दे रहा है कि वह हमारे आस-पास की दुनिया को इस प्रकार से बदल और मरोड़ सकता है, जिसे बूझना मुश्किल है,तो हमारा सबसे पवित्र कर्तव्य बढ़ते जा रहे इस खतरे से सीधे टक्कर लेना है। इस मोड़ पर आप पूछ सकते हैं कि ऐसा कैसे किया जाए। आप यह भी पूछ सकते हैं कि क्या यह आघात सिर्फ़ एआई तक ही सीमित है। पहले सवाल का जवाब है विश्वसनीयता — भरोसेमंद एवं पुष्टिकृत खबर। जहां तक दूसरे सवाल की बात है, सच तो यह है कि मीडिया का खुलना — जोकि देश में आर्थिक सुधारों और विदेश में शीत युद्ध के खत्म होने का परिणाम था और जिससे हमें अपनी बात कहने की आज़ादी मिलनी चाहिए थी — वह एआई की चुनौती का सामना करने के लिए खुद को उतना मज़बूत नहीं कर पाया है।

अगर आपकी उम्र यह याद करने में इतनी पुरानी है कि किस प्रकार संचार तंत्र पर दूरदर्शन का एकछत्र राज हुआ करता था, तो आपको उस समय की बेचैनी भी याद होगी। 'व्यवस्था के विरुद्ध' होने का पर्याय था, कांग्रेस का आलोचक बनना — सिवाय विदेश नीति के, जिसे सदा ही गाय जैसा पवित्र माना गया है,क्योंकि उसे मतांतर से ऊपर रखा जाता है।

इसीलिए जब आप पत्रकारों को 'विदेश नीति पर भारतीय नज़रिए' के बारे में बात करते हुए सुनते हैं, तो आप तुरंत समझ जाते हैं कि वे उस पुराने ज़माने के हैं, क्योंकि विदेशी नेताओं के साथ उनके इंटरव्यू हमेशा ही परोक्ष रूप से सरकार प्रायोजित हुआ करते थे, न कि किसी मीडिया हाउस से; इस प्रकार इंटरव्यू पर सरकार के दृष्टिकोण की छाप हुआ करती थी।

यह देखना दिलचस्प है कि तीन दशक से भी ज़्यादा समय के बाद, हालात का चक्र घूमकर फिर से वहीं आ पहुंचा है, सरकारी और निजी मीडिया के बीच का अंतर अब बहुत कम रह गया है — और कैसे कभी बेहद प्रभावशाली रहा निजी मीडिया अक्सर दंडवत हुए जा रहा है। बेशक, यह सब पुरानी बात है। नई बात यह है कि मीडिया खुद भी बचकानी खुशी के साथ उन्हीं एआईटूल्स का इस्तेमाल करके, जानबूझकर एक सूक्ष्म और संतुलित खबर को स्याह, अधिक डरावना स्वरूप देने में लगा हुआ है।

रसातल की तरफ दौड़ में केवल टीआरपी की होड़ नहीं है। यह पूर्वाग्रहों को गहराने का एक खतरनाक ढंग है। विडंबना यह है कि चीन जैसे ताकतवर देशों का मखौल उड़ाने की हिम्मत कोई नहीं करता, तब भी नहीं जब चीनी पीएलए सैनिकों ने हमारी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन किया हो। यह साफ़ है कि निजी मीडिया को अपनी ताकत की सीमाएं पता है।

खबरों को पेश करने में ज़िम्मेदारी से मुंह चुराने का सीधा परिणाम सोशल मीडिया का तेज़ी से हुआ उद्भव है। हमने देखा है कि कैसे 'कॉकरोच जनता पार्टी', जोकि सोशल मीडिया लहर से बनी है, उसका प्रभाव कई गुणा बढ़ गया, और कभी-कभी यह असल ज़िंदगी में भी झलकने लगा है। जो काम पारंपरिक मीडिया नहीं कर पा रहा, उन खबरों को उजागर करने में सोशल मीडिया अक्सर सफल रहता है। सच तो यही रहेगा कि देश की अंतरात्मा का पहरूआ हमें — यानी पारंपरिक मीडिया को — बनना था, न कि उन वेबसाइटों या सोशल मीडिया हैंडल्स को, जिनकी सूचना में एआई टूल्स के ज़रिए गलत सूचना का जोखिम है।

आगे सबसे बड़ी चुनौती यह है कि एआई को काबू में कैसे रखा जाए और उसे अपने फायदे के लिए कैसे काम में लिया, न कि इसके उलट। पच्चीस साल पहले, अमेरिका पर हुए आतंकवादी हमले ने शायद अमेरिका और दुनिया को बदल दिया हो, लेकिन विश्व इतिहास के लंबे सफर में वह एक छोटी सी घटना थी। आज के खतरे अलग हैं। अगर हमें उनका मुकाबला करना है, तो विश्वसनीयता ही सबसे ज़रूरी है।

लेखिका 'दि ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

अपनी सीमा को ताकत बनाना सीखें गणेश जी से

डॉ. रेनु सैनी

गणेश जी ने सिद्ध किया कि समस्याओं का समाधान चमत्कार से नहीं, बल्कि कर्म और बुद्धि से होता है। उनके व्यक्तित्व से सीख है कि अनुशासन, अनुकूलन और समय प्रबंधन ही सफलता निर्धारित करते हैं।

हमारी भारतीय संस्कृति में हर शुभ कार्य करने से पहले भगवान गणेश का स्मरण किया जाता है। ऐसा माना जाता है कि गणेश जी का सर्वप्रथम स्मरण करने और उन्हें आमंत्रित करने से कार्य में विघ्न नहीं आते तथा सभी कार्य निर्विघ्न संपन्न होते हैं। गणेश जी आज की युवा पीढ़ी के लिए ऐसे प्रबंधन गुरु हैं, जो अपने व्यक्तित्व और गुणों से यह बताते हैं कि बुद्धि, विवेक और चातुर्य सब पर भारी पड़ता है। बेडौल व्यक्तित्व भी गुणों के आगे मिसाल बन जाता है।

आजकल अधिकतर युवा संसाधनों और व्यक्तित्व की छोटी-बड़ी कमियों के कारण तनावग्रस्त हो रहे हैं और कई बार घातक कदम तक उठा लेते हैं। उनके भीतर निराशा इस कदर छा जाती है कि वे उससे बाहर निकलने का प्रयास ही नहीं करते। यदि वे निराशा के भंवर से बाहर निकलकर देखें, तो समझ पाएंगे कि देवताओं ने भी अनेक बाधाओं को पार किया था। बाधाओं को सफलतापूर्वक पार करने के कारण ही वे देव कहलाए। जीवन में कुछ भी सहजता से नहीं मिलता। जो सरलता से मिल जाता है, उसमें वह आनंद नहीं आता, जो संघर्ष के बाद प्राप्त वस्तु में मिलता है। संघर्ष के साथ-साथ व्यक्ति के भीतर विवेक और बुद्धि का होना भी अनिवार्य है। कई बार जो कार्य बल से नहीं होते, वे बुद्धि से संपन्न हो जाते हैं।

गणेश जी ने अनेक अवसरों पर अपने कार्यों से सिद्ध किया कि समस्याओं का समाधान चमत्कार से नहीं, बल्कि कर्म और बुद्धि से होता है। उनके जीवन से यह सीख मिलती है कि अनुशासन, अनुकूलन और समय प्रबंधन ही सफलता की नींव तैयार करते हैं।

अक्सर युवा शिकायत करते हैं कि उनके पास सीमित संसाधन थे, इसलिए वे परीक्षा अथवा नौकरी में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए। गणेश जी को जब प्रथम पूज्य बनने की चुनौती दी गई और कहा गया कि उन्हें पूरे ब्रह्मांड की परिक्रमा करनी होगी, तब उन्होंने अपने धीमे वाहन मूषक को लेकर कोई शिकायत नहीं की। उन्होंने तुरंत बुद्धि का प्रयोग किया और अपनी सीमा को ही ताकत बना लिया। गणेश जी ने मूषक के साथ भगवान शिव और माता पार्वती की तीन बार परिक्रमा की और कहा कि उनके लिए माता-पिता ही पूरे ब्रह्मांड से बढ़कर हैं। उनकी बुद्धिमत्ता देखकर सभी ने उन्हें प्रथम पूज्य स्वीकार कर लिया।

जब गणेश जी महाकाव्य लिख रहे थे, तब अचानक उनकी कलम टूट गई। उन्होंने न तो कलम टूटने का बहाना बनाया और न ही लेखन कार्य रोका। उन्होंने तत्काल निर्णय लेते हुए अपना एक दांत तोड़ लिया और उसे कलम की तरह प्रयोग करके महाकाव्य लिखना जारी रखा। इसी त्याग के कारण उनका नाम 'एकदंत' पड़ा। यदि ऐसी स्थिति हमारे सामने आ जाए, तो हममें से अनेक लोग समस्या का समाधान खोजने के बजाय समय बर्बाद करने लगेंगे।

आजकल कई युवा जीतने के लिए हर प्रकार के हथकंडे अपनाते हैं और कभी-कभी षड्यंत्र करने से भी नहीं चूकते। इसके विपरीत, गणेश जी ने एक बार अपने बड़े भाई कार्तिकेय के सम्मान और भाईचारे के लिए जान-बूझकर हार स्वीकार की। माता पार्वती ने जब इसका कारण पूछा, तो उन्होंने सहज भाव से कहा, 'जहां अपनों का सम्मान और भाईचारा दांव पर लगा हो, वहां जीतकर भी हार हो जाती है। संबंधों की मिठास हर जीत से बड़ी होती है।' यह विचार आज के युवाओं के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण सीख है।

गणेश जी के आंतरिक गुणों के अतिरिक्त उनका बाहरी व्यक्तित्व भी प्रबंधन का अद्भुत पाठ पढ़ाता है। उनका मस्तक अत्यंत विशाल है, जो प्रत्येक विद्यार्थी और व्यक्ति को बड़ी सोच रखने की प्रेरणा देता है। बड़ी सोच दूरदर्शिता का परिचायक होती है और व्यक्ति को अनेक संकटों से बचाती है। उनके छोटे नेत्र जीवन में लक्ष्य के प्रति सूक्ष्म दृष्टि रखने की सीख देते हैं। सूक्ष्म दृष्टि से व्यक्ति अपने निर्णयों को अधिक सकारात्मक और प्रभावी बना सकता है।

गणेश जी के कान बहुत बड़े और मुख छोटा है। उनके ये दोनों अंग प्रत्येक व्यक्ति को कम बोलने और अधिक सुनने की प्रेरणा देते हैं। आज अधिकतर लोग दूसरों को सुनाने के लिए तो तैयार रहते हैं, लेकिन जब दूसरों की सुनने की बात आती है, तो पीछे हट जाते हैं। दूसरों की बातें सुनने से व्यक्ति का ज्ञान बढ़ता है, जबकि अपनी ही धुन में बोलते रहने से ज्ञान सीमित रह जाता है। सुनना किसी जादू से कम नहीं है। जस्टिस ओलिवर वेंडेल होम्स के अनुसार, 'दूसरों की बातें सुनना ही वह सबसे असरदार तरीका है, जिससे कोई व्यक्ति संसार में लोगों को साथ लेकर चल सकता है और उन्हें अपना मित्र बना सकता है।'

गणेश जी का संपूर्ण व्यक्तित्व जीवन प्रबंधन का ऐसा सूत्र है, जिसके माध्यम से हर व्यक्ति सुख, स्वास्थ्य, प्रसन्नता, समृद्धि और प्रेम को अपने जीवन का हिस्सा बना सकता है।

जीत से बड़ी हार

आज से 50-60 साल पहले कुछ मासिक पत्रिकाएं थीं, जैसे 'सत्यकथा', 'मनोहर कहानियां' और 'सच्ची दुनिया'। हम लोग स्कूल में थे और किताबों-पत्रिकाओं की दुकानों पर ये भी डिस्प्ले की हुई होती थीं। इनको पढ़ना ज्यादा अच्छा नहीं माना जाता था। लेकिन दसवीं या उसके बाद की कक्षाओं में पहुंचते-पहुंचते इनकी एकाध कहानी पढ़ ही लेते थे। मेरे बड़े मामा को इस तरह की जासूसी और जुर्म की पत्रिकाएं पढ़ने का बड़ा चस्का था। मेरी मां उनको कई बार टोका भी करती थीं। खैर, मामा की आदत जैसी थी, वैसी ही बरकरार रही। वह अंग्रेजी की 'कारवां', 'रीडर्स डाइजेस्ट' और 'इंडिया टुडे' जैसी पत्रिकाएं भी खूब पढ़ते थे। मुझे कभी यह 'सत्यकथा', 'मनोहर कहानियां', 'सच्ची दुनिया' आदि पढ़कर अच्छा नहीं लगा। आजकल जिस तरह की खबरें रोजाना देखने-पढ़ने को मिल रही हैं, उससे यही लगता है कि इस दौर में तो वे पत्रिकाएं भी बहुत पीछे रह गई हैं।

अजीब-अजीब खबरें! एक परिवार के चार सदस्य कुछ दिन पहले तरबूज खाकर मर गए। उसमें चूहे मारने की दवा की मिलावट पाई गई। ये सब तो हम लोग पचास-पचपन बरस पहले भी अपनी आंखों से देखते रहे हैं। एक जुलूस में एक आदमी ने सार्वजनिक रूप से दर्द-निवारक कैप्सूल बांटने चाहे, ताकि लोगों का शारीरिक दर्द कम हो। साजिशों की ऐसी ही अनेक खबरें सामने आती रहती हैं। हमारे एक वरिष्ठ डॉक्टर ने एक वीडियो साझा किया है, जिसमें बताया गया है कि देशी घी के नाम पर इतनी मिलावट और धोखाधड़ी हो रही है कि पशुओं की चर्बी तक का इस्तेमाल किया जा रहा है। कुछ महीने पहले मैं अपने किसी मित्र के पास बैठा हुआ था। अचानक फोन आया। पता चला कि राजस्थान से उनका शुद्ध देशी घी आ रहा है। बताने लगे कि ऑनलाइन एक वीडियो देखा था और ऑर्डर कर दिया। दो हजार रुपये में एक किलो था। वह व्यक्ति एक किलो देसी घी की बोतल दे गया। पूछने लगा कि क्या यह आपको सही लग रहा है। मैं हंसने लगा। असल में आजकल यूट्यूब पर ऐसे वीडियो की भरमार है। आज की वास्तविक दुनिया में 'सत्यकथाएं', 'मनोहर कहानियां' तो क्या, क्राइम नॉवेल, मर्डर मिस्ट्री वाली फिल्में और क्राइम शो भी पीछे रह गए हैं। जितने खुराफाती हम हो चुके हैं, जितने मक्कार, शातिर और चालबाज बन गए हैं, हम कुछ भी कर सकते हैं—लालच के चक्कर में। बच के रहिए।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन
के लिए
संपर्क करें
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें...

सुनीता बोहरा बनीं साइंस कॉलेज में सांसद प्रतिनिधि

दुर्ग। दुर्ग लोकसभा क्षेत्र के सांसद विजय बघेल ने पूर्व जिला भाजपा महिला मोर्चा की वरिष्ठ नेत्री श्रीमती सुनीता संजय बोहरा को दुर्ग स्थित स्वशासी शासकीय साइंस महाविद्यालय में अपना सांसद प्रतिनिधि नियुक्त किया है। नियुक्ति के बाद पार्टी के वरिष्ठ एवं कनिष्ठ कार्यकर्ताओं सहित शुभचिंतकों ने बोहरा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। सुनीता बोहरा ने अपनी नियुक्ति पर सांसद विजय बघेल के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें जो जिम्मेदारी सौंपी गई है, उसका वे पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करेंगी। उन्होंने कहा कि साइंस कॉलेज दुर्ग प्रदेश के प्रतिष्ठित एवं ऐतिहासिक महाविद्यालयों में शामिल है। महाविद्यालय के विकास और विद्यार्थियों के हित में हरसंभव सहयोग प्रदान करना उनकी प्राथमिकता रहेगी। उन्होंने बताया कि उनके पति संजय बोहरा पूर्व में साइंस कॉलेज दुर्ग की जनभागीदारी समिति के अध्यक्ष के रूप में कार्य कर चुके हैं। उनके कार्यकाल को महाविद्यालय के लिए बेहतर कार्यकाल के रूप में याद किया जाता है। श्रीमती बोहरा ने कहा कि वर्तमान जनभागीदारी समिति अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह के साथ समन्वय स्थापित करते हुए वे शासन की नीतियों एवं योजनाओं को महाविद्यालय तक प्रभावी रूप से पहुंचाने तथा कॉलेज के विकास में अपना योगदान देने का प्रयास करेंगी।

संगठन सृजन प्रशिक्षण से बूथ स्तर तक मजबूत होगा कांग्रेस का संगठन : बाकलीवाल

दुर्ग। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी एवं छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संगठन सृजन अभियान के तहत कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर अधिक मजबूत, सक्रिय एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से दुर्ग संभाग के ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्षों एवं मास्टर ट्रेनरों के लिए 36 फोर्ट, कोलियापुरी में आयोजित तीन दिवसीय प्रशिक्षण शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। प्रशिक्षण के उपरांत दुर्ग शहर लौटे पांचों ब्लॉक अध्यक्षों एवं दो मास्टर ट्रेनरों का जिला कांग्रेस कमेटी दुर्ग शहर के अध्यक्ष धीरज बाकलीवाल के नेतृत्व में राजीव भवन, दुर्ग में आत्मीय स्वागत किया गया। संगठन सृजन अभियान कांग्रेस के संगठनात्मक पुनर्गठन और जमीनी स्तर पर पार्टी को मजबूत करने की देशव्यापी महत्वपूर्ण पहल है। इसी क्रम में छत्तीसगढ़ में जिला, ब्लॉक और बूथ स्तर तक संगठन को प्रशिक्षित एवं सक्रिय बनाने के लिए चरणबद्ध रूप से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दुर्ग संभाग का यह तीन दिवसीय प्रशिक्षण इसी अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी रहा। उपलब्ध समाचार रिपोर्टों के अनुसार इससे पहले बस्तर संभाग में प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया जा चुका है तथा इसके बाद अन्य संभागों में भी प्रशिक्षण कार्यक्रम जारी हैं। प्रशिक्षण प्राप्त करने वालों में अल्ताफ अहमद, मध्य ब्लॉक कांग्रेस कमेटी; मनीष बघेल, पूर्वी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी; गुरदीप सिंह भाटिया, आनंद कपूर ताम्रकार, पश्चिम ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शामिल हैं।

पीएम मोदी के 25 वर्षों की राष्ट्रसेवा को समर्पित होगा सेवा संकल्प अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के सार्वजनिक जीवन एवं राजनीतिक सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में विभिन्न सेवा एवं जनकल्याणकारी गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा।

इसी कड़ी में जिला प्रशासन द्वारा संभाग स्तरीय सेवा संकल्प अभियान की तैयारियां की जा रही हैं, इसी क्रम में 17 सितंबर को शाम सवा लाख दिए जलाये जायेंगे जिसके तैयारी को लेकर आज जिलाध्यक्ष सुरेंद्र कौशिक, कलेक्टर, एसपी सहित जिला प्रशासन के साथ

कार्यक्रम स्थल पुलिस लाइन का निरिक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। केबिनेट मंत्री एवं दुर्ग शहर विधायक गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी की 25 वर्षों की राजनीतिक एवं जनसेवा यात्रा सेवा, समर्पण और राष्ट्रप्रथम की भावना का प्रेरणादायी उदाहरण है। जनसेवा से राष्ट्रसेवा तक, विकास से विरासत तक प्रधानमंत्री जी ने हर कदम देशवासियों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने के संकल्प के साथ आगे बढ़ाया है। केबिनेट मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की सेवा यात्रा केवल 25 वर्षों का पड़ाव नहीं, बल्कि करोड़ों देशवासियों के विश्वास, परिश्रम और आकांक्षाओं को नई दिशा देने वाली यात्रा है। हर योजना, हर प्रयास और हर कदम देशहित एवं जनकल्याण के लिए समर्पित रहा है।

श्री यादव ने कहा कि सेवा का सफर संकल्प की नई उड़ान' के भाव के साथ 17 सितंबर से प्रारंभ होने वाला यह अभियान प्रधानमंत्री जी की सेवा भावना को जन-जन तक पहुंचाने और समाज के अंतिम व्यक्ति तक सेवा एवं जनकल्याण की भावना को मजबूत करने का माध्यम बनेगा। अभियान के अंतर्गत जिला प्रशासन एवं भारतीय जनता पार्टी संगठन के समन्वय से संभाग स्तरीय विभिन्न सेवा गतिविधियां, जनकल्याणकारी कार्यक्रम एवं सामाजिक सरोकार से जुड़े आयोजन किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों की सहभागिता सुनिश्चित करते हुए सेवा और समर्पण की भावना को आगे बढ़ाया जाएगा। मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में देश ने विकास की नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया है। आज विकसित भारत के संकल्प के साथ देश आगे बढ़ रहा है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सार्वजनिक जीवन हमारे लिए प्रेरणादायी : विजय बघेल

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा आगामी 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक देशभर में सेवा संकल्प अभियान चलाया जाएगा। अभियान की तैयारियों और कार्यक्रमों की रूपरेखा को लेकर रविवार को दुर्ग जिला भाजपा कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को दुर्ग लोकसभा सांसद विजय बघेल ने संबोधित किया।

सांसद विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनसेवा के 25 वर्ष सेवा, सुशासन, संकल्प और परिणामों की यात्रा है। यह एक सामान्य परिवार से निकले व्यक्ति के असाधारण पुरुषार्थ की यात्रा है। प्रधानमंत्री मोदी का सार्वजनिक जीवन हम सभी के लिए प्रेरणादायी है। उनका अनुशासन, समर्पण, राष्ट्र निर्माण के प्रति प्रतिबद्धता और जनता के प्रति सेवा का भाव सभी के लिए प्रेरणा का विषय है।

उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान उन करोड़ों परिवारों की ओर से धन्यवाद की अभिव्यक्ति है, जिनके जीवन में प्रधानमंत्री मोदी की जनकल्याणकारी योजनाओं से सकारात्मक परिवर्तन आया है। प्रधानमंत्री के छत्तीसगढ़ से विशेष अपनत्व का उल्लेख करते हुए बघेल ने कहा कि संगठन के पदाधिकारी के रूप में प्रधानमंत्री मोदी ने बस्तर जैसे सुदूर अंचलों में प्रवास किया। गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए भी छत्तीसगढ़ के साथ विकास के विभिन्न क्षेत्रों में अनुभवों का आदान-प्रदान होता रहा।

सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में पिछले एक दशक में देश के लगभग 25 करोड़ लोग अत्यधिक गरीबी से बाहर निकले हैं। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से देश के 81 करोड़ लोगों को नि:शुल्क खाद्यान्न उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गरीब कल्याण इस दौर की सबसे बड़ी पहचान बनी है। विजय बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में देश की एकता और अखंडता को मजबूती मिली है। जम्मू-कश्मीर से धारा 370 समाप्त करने के साथ ही देश की बाह्य और आंतरिक सुरक्षा को मजबूत किया गया। उरी आतंकी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक, पुलवामा के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक और पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर को उन्होंने राजनीतिक नेतृत्व की संकल्प शक्ति का परिणाम बताया।

बस्तर में नक्सलवाद के खात्मे का उल्लेख करते हुए सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व के परिणामस्वरूप देश और छत्तीसगढ़ को दशकों पुरानी नक्सल समस्या से मुक्ति मिली है। उन्होंने कहा कि बस्तर के घने जंगलों से लाल आतंक का सूर्यास्त हुआ है और शांति का नया सूर्योदय हुआ है।

सांसद विजय बघेल ने बताया कि 17 सितंबर को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस की शाम 7 बजे पूरे देश के साथ छत्तीसगढ़ में भी दीप प्रज्ज्वलित किए जाएंगे। उन्होंने जिलेवासियों से अपने घर में एक दीप जलाकर प्रधानमंत्री को आशीर्वाद देने का आह्वान किया। 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम में पंचायत प्रतिनिधियों, महिला स्व-सहायता समूहों की दीदियों और प्रधानमंत्री आवास योजना के हितग्राहियों की विशेष भागीदारी रहेगी।

उन्होंने बताया कि बच्चों और युवाओं को भी अभियान से जोड़ा जाएगा। करीब 25 हजार शिक्षण संस्थानों और 50 लाख विद्यार्थियों की भागीदारी का लक्ष्य रखा गया है। 'मेरे सपनों का भारत-चित्र सेवा' के अंतर्गत ड्राइंग और भाषण प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विद्यालय स्तर पर 18 सितंबर को ड्राइंग तथा 19 सितंबर को प्रदर्शनी एवं भाषण प्रतियोगिता प्रस्तावित है।

उतई में कृष्णमय हुआ माहौल, विधायक चंद्राकर ने किया दही हांडी एवं पोला महोत्सव का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ न्यूज

उतई। दशहरा मैदान उतई में दही हांडी एवं पोला महोत्सव के आयोजन से माहौल कृष्णमय हो गया। दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर महोत्सव का विधिवत शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने दही हांडी उत्सव का आनंद भी लिया।

अपने संबोधन में विधायक चंद्राकर ने कहा कि यह आयोजन एकता, उत्साह और हमारी समृद्ध लोकपरंपराओं का सुंदर संगम है। हमारी संस्कृति और परंपराएं ही हमारी असली पहचान हैं। ऐसे पर्व समाज में आपसी भाईचारे, प्रेम और सद्भाव को मजबूत करते हैं।

उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ का तीजा-पोरा तिहार हमारी माटी और कृषि संस्कृति का प्रतीक है। तीज में मातृशक्ति के अटूट विश्वास और सुहाग की कामना का भाव है, तो पोला पर्व हमारे अन्नदाता किसानों के सच्चे साथी नंदी-बैलों के प्रति कृतज्ञता का पर्व है। इस प्रकार के आयोजन लोक संस्कृति को जीवंत रखते हैं और आने वाली पीढ़ियों को अपनी गौरवशाली परंपराओं से जोड़ते हैं। विधायक ने क्षेत्रवासियों को श्रीगणेश चतुर्थी, तीजा एवं पोला पर्व की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर आयोजक जिला मंत्री युवा मोर्चा हर्ष चंदेल, उतई मंडल महामंत्री चंदू देवांगन, रिसाली मंडल अध्यक्ष अनुपम साहू, मरोदा-पुरैना मंडल अध्यक्ष राजू जंघेल, ओबीसी मोर्चा अध्यक्ष विक्की सोनी, करगाडीह सरपंच एवं युवा मोर्चा मंडल अध्यक्ष करण सेन, महामंत्री राकेश देवांगन, नगर पंचायत विधायक प्रतिनिधि रुपेश पारख सहित गौकरण चंदेल, ममता चंदेल, रानी देशलहरे, भूपेन्द्र साहू, सत्यम चंदेल, पुरनेश चक्रधारी, कुणाल चक्रधारी, लोकेश चक्रधारी, युवराज चक्रधारी एवं समिति के सदस्यगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में नगर पंचायतवासी शामिल हुए।

छत्तीसगढ़ी सरयूपारीण ब्राम्हण महिला समाज के तीज मिलन में बिखरी खुशियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। छत्तीसगढ़ी सरयूपारीण ब्राम्हण महिला समाज के तीज मिलन उत्सव में महिलाओं ने उत्साह और उमंग के साथ पर्व की खुशियां आपस में साझा कीं। पोटिया स्थित चंद्राकर भवन में आयोजित कार्यक्रम में महिलाएं पारंपरिक वेशभूषा में सज-धजकर शामिल हुईं और सावन के झूले एवं मनोरंजक खेल प्रतियोगिताओं ने कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का रंग भर दिया।

कार्यक्रम में तीज क्वीन प्रतियोगिता विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पारंपरिक परिधानों और श्रृंगार में सजी महिलाओं ने अपनी प्रतिभा एवं आत्मविश्वास का प्रदर्शन किया। तीज क्वीन दीप्ति दुबे बनी, इसके अलावा किरण तिवारी द्वितीय और भारती दुबे ने तीज क्वीन प्रतियोगिता में तृतीय स्थान प्राप्त किया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेश जी की पूजा-अर्चना कर की गई। इस अवसर पर महिलाओं ने गणेश वंदना पर मनमोहक नृत्य की प्रस्तुति दी। इस नृत्य ने

सबका दिल जीत लिया। तीज मिलन में जन्माष्टमी पर्व की खुशियां भी बिखरी और राधा कृष्ण का रुप धरी महिलाओं ने आकर्षक नृत्य की प्रस्तुतियां दी। तीज मिलन समारोह में तीज क्वीन सहित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को समाज की वरिष्ठ महिला सदस्यों ने पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया और उनका उत्साहवर्धन किया। छत्तीसगढ़ी सरयूपारीण ब्राम्हण महिला समाज की अध्यक्ष अर्पणा तिवारी की अध्यक्षता में आयोजित तीज मिलन समारोह में संगठन की संरक्षक भारती दुबे, अनीता पांडेय, संगीता शर्मा का सराहनीय सहयोग रहा। तीज मिलन में समाज के रायपुर और भिलाई के पदाधिकारियों की उपस्थिति ने समारोह में चार चांद लगा दिए।

'पठनवीर' बनने गणित, तर्क और गणना में अपनी मेधा दिखाई बच्चों ने

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) अछोटी, दुर्ग की ओर से दुर्ग जिले के सभी पूर्व माध्यमिक विद्यालयों में 'पठनवीर' प्रतियोगिता का सफल आयोजन किया जा रहा है। स्कूल, संकुल और जोन स्तर के बाद 9 सितंबर को पाटन, धमधा तथा दुर्ग (शहर एवं ग्रामीण) विकासखंड में ब्लॉक स्तरीय प्रतियोगिता संपन्न हुई।

डाइट प्राचार्य पी. सी. मरकले ने जानकारी दी कि ब्लॉक स्तर पर इस शैक्षिक 'पठनवीर'प्रतियोगिता के सफलतापूर्वक संपन्न होने के बाद अब अगला चरण जिला स्तरीय प्रतियोगिता का होगा। इस संबंध में जिला स्तरीय कार्यक्रम की रूपरेखा और रणनीति तैयार करने के लिए 16 सितंबर को डाइट में एक महत्वपूर्ण बैठक आहूत की गई है। इस बैठक में

जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ), जिला मिशन समन्वयक (डीएमसी), विकासखंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) एवं बीआरसी (बीआरसी) शामिल होंगे। जिला स्तरीय आयोजन के उत्कृष्ट मार्गदर्शन के लिए संयुक्त संचालक (शिक्षा, दुर्ग) के साथ-साथ पूर्व शिक्षा अधिकारियों व शिक्षाविदों को आमंत्रित किया गया है। प्रतियोगिता के नोडल अधिकारी सत्येंद्र शर्मा ने बताया कि डाइट द्वारा आयोजित पठनवीर शैक्षिक प्रतियोगिता 2026 छात्र-छात्राओं के लिए कई मायनों में बेहद महत्वपूर्ण और रोचक साबित हो रही है। इसमें क्विज टाइम, वेग पठन, मैथ्स मैजिक, तर्क पहेली और वेग गणना जैसी विविध विधाओं में कक्षा 6वीं से 8वीं तक के बच्चे बड़े ही हर्षोल्लास के साथ भाग ले रहे हैं। बच्चों के इस उत्साह को देखकर शिक्षकों भी संतुष्ट है। प्रतियोगिता में धमधा विकासखंड के 93, पाटन विकासखंड के 96, दुर्ग ग्रामीण के 84 और दुर्ग शहर के 37 मिडिल स्कूलों के छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। इस प्रकार दुर्ग जिले के तीनों ब्लॉकों के कुल 310 विद्यालयों से विद्यार्थियों ने प्राथमिक (स्कूल) स्तर पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

सत्येंद्र शर्मा ने आगे बताया कि छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग एवं माननीय शिक्षा मंत्री महोदय के निर्देशों के अनुसार, सभी बच्चों को शत-प्रतिशत मूलभूत दक्षताओं में निपुण बनाना मुख्य उद्देश्य है। इसके तहत बच्चों को धाराप्रवाह पढ़ना-लिखना, बोलना-सुनना, गणितीय संक्रियाओं (जोड़, घटाव, गुणा, भाग) में दक्ष होना और कम से कम 25 तक पहाड़ा आना अनिवार्य है। शासन के इन निर्देशों के परिपालन में शिक्षा विभाग की सभी इकाइयां अपने-अपने स्तर पर पूरी निष्ठा से जुटी हुई हैं।

तकनीकी एवं औद्योगिक क्षेत्रों में हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी भाषा का अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करें

आईआईआईई ने हिंदी दिवस एवं अभियंता दिवस पर किया संयुक्त समारोह का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। इंडियन इंस्टीट्यूशन आफ इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग की भिलाई चेप्टर के तत्वावधान में हिंदी दिवस एवं अभियंता दिवस के अवसर पर भिलाई निवास काफी हाउस सभागार में रविवार को संयुक्त समारोह का गरिमामय आयोजन किया गया। समारोह के मुख्य अतिथि प्रसिद्ध साहित्यकार डॉ परदेशीराम वर्मा, विशिष्ट अतिथि वाइस चेयरमैन घनश्याम कुमार देवांगन, एक्स चेयरमैन एच के देसाई, एस के डोगरा थे। अध्यक्षता चेयरमैन के. पटेल ने की।

समारोह में इंडस्ट्रियल इंजीनियरिंग के क्षेत्र में विशिष्ट योगदान के लिए दिवंगत इंजीनियर स्व. दयानंद हरिरमानी को लाईफ टाईम एचिवमेंट अवार्ड प्रदान कर सम्मानित किया गया। साथ ही उनकी स्मृति में दयानंद हरिरमानी मेमोरियल लेक्चर आयोजित करने की घोषणा की गई। उनकी पत्नी पोर्शा हरिरमानी ने यह सम्मान ग्रहण किया। मुख्य अतिथि साहित्यकार डॉ परदेशीराम वर्मा ने कहा कि हिंदी की लोकप्रियता अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर है। इसे साहित्य के साथ साथ तकनीकी एवं औद्योगिक भाषा के रूप में विकसित करने से इसकी महत्ता बढ़ेगी। उन्होंने हिंदी दिवस एवं अभियंता दिवस समारोह को संयुक्त रूप से आयोजित किए जाने की प्रशंसा की।

आरंभ में वाइस चेयरमैन घनश्याम कुमार देवांगन ने हिंदी दिवस के परिप्रेक्ष्य में आयोजित संगोष्ठी तकनीकी एवं औद्योगिक विकास में हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी की भूमिका : संभावनाएं एवं चुनौतियां विषय पर आधार वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा कि वर्तमान परिवेश में हिंदी एवं छत्तीसगढ़ी सहित जनभाषा का उपयोग तकनीकी एवं औद्योगिक विकास को अधिक गतिशील, सार्थक एवं सुरक्षित बनाया जा सकता है। हिंदी हर दृष्टि से समृद्ध एवं सक्षम भाषा है। तकनीकी शिक्षण-प्रशिक्षण, औद्योगिक कार्य व्यवहार, सुरक्षा एवं उत्पादन प्रणाली सहित सभी जगह हिंदी भाषा का सर्वकालिक उपयोग सुनिश्चित होना आवश्यक है।

चेयरमैन के. पटेल ने अभियंता दिवस के परिप्रेक्ष्य में समय प्रबंधन पर केन्द्रित पोमोडोरो तकनीक पर आधार वक्तव्य दिया। उन्होंने कहा इस तकनीक से किसी भी कार्य को करने से एकाग्रता बढ़ती है और बेहतर परिणाम प्राप्त होता है। समारोह को डॉ बीडी थारकन, कमलेश गुप्ता, दयामणी नायक, सौरभ सिन्हा, सुरेन्द्र गुप्ता एवं सेंगर ने भी संबोधित किया। साहित्यकार परदेशीराम वर्मा को संस्था द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सेक्रेटरी अवनीश दुबे एवं आभार प्रदर्शन ट्रेजरार विवेक गुप्ता ने किया।

इस अवसर पर वरिष्ठ अभियंता सुखेती डोगरा, पीके तिवारी, दीनामणी नायक, वीके सिंह, संतोष अग्रवाल, एम ए खान, एम श्रीनिवास, श्रीमती दमयंती पटेल, सुमन देवांगन, उमा गुप्ता, ज्योति दुबे, मनोरमा गुप्ता आदि सहित इंजीनियर, साहित्य प्रेमी एवं सदस्यगण परिवार सहित उपस्थित थे।

Since 1972
CROWN-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

बेमेतरा में जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन

जीवन के किसी भी क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा जरूरी : साय

- शिक्षक बच्चों के माध्यम से रखते हैं समाज एवं राष्ट्र के उज्वल भविष्य की नींव
- गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर हर बच्चे तक पहुंचाना हमारी प्राथमिकता

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। शिक्षा व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की प्रगति का आधार है। जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए शिक्षा आवश्यक है और इस पूरी प्रक्रिया में शिक्षक की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण होती है। शिक्षक बच्चों को केवल किताबी ज्ञान नहीं देते, बल्कि उनके व्यक्तित्व को गढ़ते हैं, उन्हें संस्कार और सही दिशा देते हैं तथा उनके माध्यम से समाज एवं राष्ट्र के उज्वल भविष्य की मजबूत नींव तैयार करते हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने बेमेतरा के बेसिक स्कूल मैदान में आयोजित जिला स्तरीय शिक्षक सम्मान एवं प्रतिभावान विद्यार्थी सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही।

मुख्यमंत्री श्री साय ने समारोह में जिले के 81 सेवानिवृत्त शिक्षकों को शॉल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। इस अवसर पर बोर्ड एवं महाविद्यालयीन परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले जिले के 42 मेधावी छात्र-छात्राओं को भी विभिन्न सामाजिक संस्थाओं की ओर से गोल्ड मेडल एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

मुख्यमंत्री ने सम्मानित शिक्षकों और विद्यार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि हमारे देश में गुरु के सम्मान की गौरवशाली परंपरा रही है। शिक्षक अपने ज्ञान, अनुभव और संस्कारों से पीढ़ियों का निर्माण करते हैं। एक शिक्षक द्वारा दी गई शिक्षा का प्रभाव केवल एक विद्यार्थी तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उसके परिवार, समाज और आने वाली पीढ़ियों तक पहुंचता है। इसीलिए शिक्षक को राष्ट्र निर्माता कहा गया है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शिक्षा ज्ञान का वह प्रकाश है, जो अज्ञानता के अंधकार को दूर करता है। शिक्षा व्यक्ति को अपने अधिकारों और कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाने के साथ उसमें आत्मविश्वास और निर्णय लेने की क्षमता विकसित करती है। शिक्षित और संस्कारित नागरिक ही सशक्त समाज तथा विकसित राष्ट्र का निर्माण करते हैं।

उन्होंने कहा कि भारत प्राचीन काल से ज्ञान और शिक्षा की भूमि रहा है। तक्षशिला और नालंदा जैसे विश्व प्रसिद्ध शिक्षा केंद्रों में दुनिया के विभिन्न हिस्सों से विद्यार्थी ज्ञान अर्जित करने आते थे। हमारी यह समृद्ध ज्ञान परंपरा आज भी हमें प्रेरणा देती है। बदलते समय और नई तकनीकों के दौर में शिक्षा के स्वरूप में भी तेजी से बदलाव आ रहा है। ऐसे में बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और आधुनिक शिक्षा उपलब्ध कराने के साथ उन्हें भविष्य की आवश्यकताओं के अनुरूप तैयार करना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि आर्थिक परिस्थितियां किसी प्रतिभावान विद्यार्थी की शिक्षा और उसके सपनों के रास्ते में बाधा न बनें, इसके लिए राज्य सरकार छात्रवृत्ति, शिक्षा ऋण और विभिन्न प्रोत्साहन योजनाओं के माध्यम से विद्यार्थियों को सहयोग प्रदान कर रही है। हमारा उद्देश्य केवल शिक्षित युवा तैयार करना नहीं, बल्कि ऐसे आत्मविश्वासी, कुशल और सक्षम युवा तैयार करना है जो विकसित छत्तीसगढ़ और विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएं।

समारोह में प्रबुद्ध नागरिकों एवं समाजसेवी संस्थाओं द्वारा प्रकाशित शिक्षक स्मृति पत्रिका का भी विमोचन किया गया।

जनकल्याण और सुशासन के माध्यम से लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के साथ गरीब, किसान, महिला और युवा सहित समाज के प्रत्येक वर्ग के कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों के पक्के आवास का सपना पूरा किया जा रहा है। महतारी वंदन योजना से महिलाओं को आर्थिक संबल मिला है। वहीं तकनीक के उपयोग से शासन की सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल और नागरिक-केंद्रित बनाया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि अटल मॉनिटरिंग पोर्टल, सेवा सेतु और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन जैसी पहलों के माध्यम से शासन और नागरिकों के बीच की दूरी कम करने का प्रयास किया जा रहा है। सरकार का लक्ष्य है कि योजनाओं और सेवाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सरलता और समयबद्धता के साथ पहुंचे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहा है। विकसित भारत के निर्माण में छत्तीसगढ़ की महत्वपूर्ण भूमिका होगी और विकसित छत्तीसगढ़ की मजबूत नींव गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कुशल युवा शक्ति तथा सशक्त गांवों और शहरों से तैयार होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने के अवसर का उल्लेख करते हुए प्रदेशवासियों से 17 सितंबर की शाम अपने घरों में एक दीप प्रज्वलित कर सेवा, विकास और जनकल्याण के संकल्प को और मजबूत करने का आह्वान किया।

शिक्षक समाज और राष्ट्र के निर्माताः अरुण साव

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा में गुरु का स्थान सदैव सर्वोपरि रहा है। शिक्षक अज्ञानता के अंधकार को दूर कर ज्ञान का प्रकाश फैलाते हैं और नई पीढ़ी को सही दिशा प्रदान करते हैं। शिक्षक केवल विद्यार्थी का ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने सम्मानित शिक्षकों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि शिक्षकों का ज्ञान, अनुभव और मार्गदर्शन आने वाली पीढ़ियों के लिए अमूल्य धरोहर है।

शिक्षा के साथ संस्कार भी जरूरी : दयाल दास बघेल

खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री दयाल दास बघेल ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के जीवन में आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की शक्ति पैदा करती है। शिक्षक विद्यार्थियों को शिक्षा देने के साथ उन्हें संस्कारवान और जिम्मेदार नागरिक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षक दीपक की तरह ज्ञान का प्रकाश फैलाकर बच्चों का भविष्य संवारते हैं। मंत्री श्री बघेल ने सम्मानित सभी शिक्षकों एवं मेधावी विद्यार्थियों को बधाई एवं उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

इस अवसर पर विधायक दीपेश साहू, विधायक ईश्वर साहू, रजककार विकास बोर्ड के अध्यक्ष प्रहलाद रजक, छत्तीसगढ़ गौ सेवा आयोग के उपाध्यक्ष स्वामी राजीव लोचन दास, तेलघानी बोर्ड के अध्यक्ष जितेन्द्र साहू, कलेक्टर सुश्री प्रतिष्ठा ममगाईं, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कल्पना योगेश तिवारी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी-कर्मचारी, शिक्षकगण, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

बेमेतरा को मिले गौरव पथ और विद्युत सब-स्टेशन

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर बेमेतरा जिले के विकास के लिए दो महत्वपूर्ण घोषणाएं कीं। उन्होंने बेमेतरा शहर में गौरव पथ के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपए की राशि स्वीकृत किए जाने तथा ग्राम पंचायत तिवरिया में नवीन विद्युत सब-स्टेशन के निर्माण की घोषणा की। सरकार प्रदेश में सड़क, बिजली, पेयजल और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर कार्य कर रही है। बेहतर अधोसंरचना का निर्माण विकास को तेज करने के साथ नागरिकों को अधिक सुविधाजनक बनाएगा।

हर बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और समान अवसर

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षा के क्षेत्र में अधोसंरचना और आधुनिक सुविधाओं के विस्तार के साथ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान दे रही है। हमारा प्रयास है कि छत्तीसगढ़ का कोई भी बच्चा संसाधनों या अवसरों के अभाव में पीछे न रहे। गांव हो या शहर, गरीब हो या संपन्न परिवार – हर बच्चे को अपनी प्रतिभा निखारने, अच्छी शिक्षा प्राप्त करने और अपने सपनों को साकार करने के समान अवसर मिलें। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के लिए आईआईटी, आईआईएम, एम्स और ट्रिपल आईटी जैसी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित संस्थाएं स्थापित हैं। इससे प्रदेश के युवाओं के लिए गुणवत्तापूर्ण उच्च शिक्षा के नए अवसर सृजित हुए हैं। प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले युवाओं को बेहतर वातावरण और संसाधन उपलब्ध कराने के लिए नालंदा परिसर जैसी सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। यहां विद्यार्थियों को अध्ययन के लिए बेहतर लाइब्रेरी, स्टडी मटेरियल और आवश्यक शैक्षणिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। नई दिल्ली में भी छत्तीसगढ़ के विद्यार्थियों के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

'मोर गांव मोर पानी' अभियान के अग्रणियों का सम्मान

समारोह में मोर गांव मोर पानी महाअभियान के अंतर्गत जल संरक्षण एवं भू-जल स्तर में सुधार के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों को भी सम्मानित किया गया। बेमेतरा जिले को क्रिटिकल जोन से सेमी-क्रिटिकल जोन की दिशा में लाने के लिए किए गए प्रयासों के लिए जनपद पंचायत बेमेतरा, बेरला एवं नवागढ़ को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री श्री साय ने जल संरक्षण को भविष्य की पीढ़ियों से जुड़ा विषय बताते हुए कहा कि जल की प्रत्येक बूंद का संरक्षण हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। शासन के प्रयासों के साथ जनभागीदारी जुड़ने पर बड़े बदलाव संभव होते हैं। उन्होंने जल संरक्षण के क्षेत्र में जिले में किए गए प्रयासों की सराहना की।

राजनांदगांव में एनडीपीएस एक्ट सम्बंधित रेंज स्तरीय कार्यशाला

मिशन मोड में करें नशे के अवैध कारोबार पर प्रहार, विवेचना ऐसी हो कि आरोपी छूट न सकें : गृहमंत्री

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नशीली दवाओं, पदार्थों के निर्माण, बिक्री, परिवहन, आयात-निर्यात, भंडारण एवं सेवन को नियंत्रित और प्रतिबंधित करने के उद्देश्य से नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस (एनडीपीएस) एक्ट लागू है। एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों की विवेचना में गुणवत्ता एवं प्रभावशीलता बढ़ाने तथा आरोपियों को प्रभावी ढंग से दोषसिद्ध कराने के उद्देश्य से आज कबीरधाम जिले के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट विद्यालय कवर्धा में राजनांदगांव रेंज स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक विजय शर्मा ने भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के तैलचित्र पर दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज श्री अजय यादव, पुलिस अधीक्षक श्री जितेंद्र कुमार यादव सहित राजनांदगांव रेंज के पुलिस अधिकारी एवं विवेचना अधिकारी उपस्थित रहे।

गृह मंत्री विजय शर्मा ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि नशीले पदार्थों के निर्माण, बिक्री, परिवहन, आयात-निर्यात और भंडारण से जुड़े पूरे नेटवर्क को पूरी ताकत से तोड़ना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एनडीपीएस के मामलों में केवल गिरफ्तारी तक कार्रवाई सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि विवेचना को इस स्तर तक प्रभावी बनाया जाए कि उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों को न्यायालय से दोषसिद्धि दिलाई जा सके।

उन्होंने पुलिस अधिकारियों से कहा कि गवाहों की अनुपस्थिति जैसी परिस्थितियों में भी उपलब्ध वैज्ञानिक एवं तकनीकी साक्ष्यों का बेहतर उपयोग करते हुए प्रकरण को मजबूत बनाया जाए।

कार्यशाला में पुलिस महानिरीक्षक राजनांदगांव रेंज अजय यादव ने विवेचना अधिकारियों को एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में प्रभावी विवेचना, साक्ष्य संकलन एवं दोषसिद्धि के विभिन्न पहलुओं की जानकारी दी।

उन्होंने ऐसे प्रकरणों में गवाहों की अनुपस्थिति अथवा अन्य चुनौतियों के बावजूद उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर मजबूत प्रकरण तैयार करने की प्रक्रिया पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने छत्तीसगढ़ में हाल ही में सामने आए एनडीपीएस के प्रकरणों का उदाहरण देते हुए कहा कि नशीले पदार्थों की तस्करी के दौरान गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ एवं उनके लोकेशन तथा संपर्कों की तस्दीक कर यह पता लगाया जाए कि नशीला पदार्थ कहां से लाया गया और कहां तक पहुंचाया जाना था।

उन्होंने कहा कि कार्रवाई को केवल सामने मौजूद आरोपी तक सीमित न रखते हुए पूरे तस्करी नेटवर्क की कड़ियों तक पहुंचना और तस्करी की चैन को समाप्त करना पुलिस की प्राथमिकता होनी चाहिए। कार्यशाला में एनडीपीएस एक्ट से संबंधित प्रकरणों की विवेचना में आने वाली व्यवहारिक चुनौतियों, साक्ष्य संकलन, तकनीकी साक्ष्य के उपयोग, दस्तावेजी प्रक्रिया तथा न्यायालय में दोषसिद्धि के लिए आवश्यक बिंदुओं पर भी विस्तार से चर्चा की गई।

कार्यक्रम के अंत में पुलिस अधीक्षक जितेंद्र कुमार यादव ने आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारी एवं विवेचना अधिकारी कार्यशाला में प्राप्त मार्गदर्शन को अपने कार्यक्षेत्र में प्रभावी रूप से लागू करते हुए नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करेंगे।

कार्यशाला के दौरान उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने एनडीपीएस एक्ट के प्रकरणों में उत्कृष्ट कार्य करते हुए आरोपियों को दोषसिद्ध कराने एवं जेल भेजने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया।

नशा तस्करी के पूरे नेटवर्क पर सुनिश्चित करें कार्रवाई

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि जो तस्कर पुलिस की गिरफ्त में आते हैं, उनके लोकेशन, संपर्क, आवागमन तथा नशीले पदार्थ कहां से आए और कहां तक पहुंचाए जाने थे, इसकी गहन जानकारी जुटाई जाए। केवल एक तस्कर की गिरफ्तारी तक कार्रवाई सीमित न रखते हुए पूरे नेटवर्क की कड़ियों को जोड़ते हुए तस्करी कराने वाले अंतिम व्यक्ति तक पहुंचने का प्रयास किया जाए। उन्होंने कहा कि टेक्नोलॉजी और मजबूत विवेचना के माध्यम से एनडीपीएस के मामलों में दोषसिद्धि सुनिश्चित करने की दिशा में काम किया जाए। न्यायालय में दंड उपलब्ध कराए गए साक्ष्यों के आधार पर ही निर्धारित होता है, इसलिए प्रत्येक विवेचना अधिकारी के साक्ष्य संकलन की गुणवत्ता अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गृहमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ में गांजे की तस्करी के कई मामलों में अन्य राज्य से जुड़े स्रोत सामने आए हैं। सरकार आधुनिक तकनीक के माध्यम से गांजे की अवैध खेती और तस्करी के स्रोतों की पहचान करने की दिशा में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक और जमीनी स्तर पर पुलिस की सक्रियता के समन्वय से नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। एनडीपीएस के विरुद्ध कार्रवाई को रूटीन कार्य न मानते हुए मिशन के रूप में लेकर कार्य करें और अपने-अपने क्षेत्र को नशे के अवैध कारोबार से मुक्त कराने के लिए ठोस एवं सकारात्मक परिणाम प्रस्तुत करें।

एनडीपीएस कार्रवाई देश, समाज और युवाओं की सेवा

उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने कहा कि एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई केवल कानून-व्यवस्था का विषय नहीं है, बल्कि यह देश, समाज, नौजवानों और आने वाली पीढ़ी की सेवा है। नशे के अवैध कारोबार से युवाओं को बचाने के लिए पुलिस को पूरी गंभीरता, संवेदनशीलता और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करना होगा। उन्होंने निर्देश दिए कि जहां नशीले पदार्थों से संबंधित अवशेष अथवा गतिविधियों की जानकारी मिलती है, वहां उसकी तस्दीक कराई जाए तथा आवश्यकतानुसार सूचना तंत्र को मजबूत किया जाए। जरूरत पड़ने पर सीसीटीवी कैमरों सहित आधुनिक तकनीकी साधनों का उपयोग किया जाए, ताकि नशीले पदार्थों के अवैध कारोबार में शामिल लोगों तक पहुंच बनाई जा सके।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व मंच पर मजबूत हुआ देश : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सशक्त और दूरदर्शी नेतृत्व में भारत आज विश्व पटल पर एक विश्वसनीय और प्रभावशाली शक्ति के रूप में उभरा है। वर्ष 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता और 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की मेजबानी भारत की बढ़ती वैश्विक प्रतिष्ठा और नेतृत्व क्षमता का परिचायक है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह प्रत्येक भारतवासी के लिए गौरव का अवसर है। प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज न केवल अपने राष्ट्रीय हितों को मजबूती से आगे बढ़ा रहा है, बल्कि विकासशील देशों और ग्लोबल साउथ की आकांक्षाओं को भी वैश्विक मंचों पर सशक्त स्वर दे रहा है।

उन्होंने कहा कि बिल्डिंग रेसीलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन एंड सस्टेनेबिलिटी, की थीम के साथ भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता वैश्विक सहयोग, नवाचार और सतत विकास को नई दिशा देने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत का दृष्टिकोण सदैव दुनिया को साथ लेकर चलने और साझा प्रगति के नए मार्ग तैयार करने का रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत ने आतंकवाद के विरुद्ध वैश्विक मंचों पर सदैव स्पष्ट और दृढ़ रुख रखा है। साथ ही डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, वित्तीय समावेशन और तकनीक के माध्यम से जनसामान्य के जीवन में बदलाव का भारत का मॉडल आज दुनिया के लिए प्रेरणा बन रहा है। ब्रिक्स जैसे मंच इन अनुभवों और विकास की संभावनाओं को साझा करने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं।

श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व में भारत की बढ़ती वैश्विक भूमिका देश और राज्यों के लिए निवेश, प्रौद्योगिकी, नवाचार और रोजगार के नए अवसर भी लेकर आ रही है। विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप छत्तीसगढ़ भी विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए विश्वास व्यक्त किया कि भारत का नेतृत्व वैश्विक सहयोग को मजबूत करने, ग्लोबल साउथ की आवाज को सशक्त बनाने और साझा समृद्धि के नए मार्ग प्रशस्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

लोईंग में शुरू हुआ 10 बिस्तर नशा मुक्ति केंद्र

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नशे की समस्या से प्रभावित लोगों को बेहतर उपचार, परामर्श और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रायगढ़ जिले के लोईंग में 10 बिस्तर जिला नशा मुक्ति केंद्र की सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और नशामुक्त समाज की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत यह केंद्र नशे की लत से प्रभावित लोगों के लिए उपचार एवं पुनर्वास का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा केंद्र के संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन, चिकित्सकीय सुविधाएं, दवाइयां एवं अन्य जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं।

तान्या शर्मा ने छोड़ा ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा सीरियल, सामने आई ये वजह

स्टार प्लस के चर्चित शो ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। रिपोर्ट के अनुसार शो से एक्ट्रेस तान्या शर्मा ने खुद को दूर कर लिया है। उन्होंने इस शो को अलविदा कह दिया है। एक्ट्रेस ने ये शो क्यों छोड़ा है। इसकी वजह भी सामने आ चुकी है।

30 वर्षीय तान्या शर्मा ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा में सपोर्टिंग रोल निभाते हुए नजर आई हैं। हालांकि अब वो इस शो का हिस्सा नहीं हैं। बता दें कि तान्या इस पॉपुलर सीरियल में इरा के किरदार में नजर आती थीं। वहीं सीरयल में लीड रोल में शब्बीर अहलूवालिया और श्रीति झा की जोड़ी नजर आती है, जिसे दर्शक काफी पसंद करते हैं। इसे स्टूडियो एलएसडी द्वारा प्रोड्यूस किया गया है। स्टार प्लस पर आने वाले ओ हमनवा तुम देना साथ मेरा की शुरुआत अप्रैल 2026 में हुई थी।

तान्या शर्मा के शो से दूर होने की वजह का भी खुलासा हो गया है। शो में एक्ट्रेस को ज्यादा स्क्रीन टाइम नहीं मिल रहा था और इस वजह से उन्होंने शो छोड़ दिया। इसके अलावा एक वजह ये भी है कि शो की टाइम लाइन में भी बदलाव कर दिया गया था। शो छोड़ने के बाद तान्या ने कहा, हां, मैंने शो छोड़ दिया है. यह आपसी सहमति से लिया गया फैसला था।

मेकर्स को तान्या का रिप्लेसमेंट भी मिल गया है। रिपोर्ट के मुताबिक शो में तान्या की जगह एक्ट्रेस ऐश्वर्या राज भकुनी ने ले ली है। वो शो में निगेटिव रोल प्ले करती हुई नजर आएंगी। क्योंकि तान्या भी इसमें निगेटिव रोल में ही थीं। 30 वर्षीय तान्या शर्मा टीवी इंडस्ट्री का एक जाना-माना नाम है।

दिल्ली में जन्मीं तान्या ससुराल सिमर का 2 और साथ निभाना साथिया जैसे पॉपुलर सीरिल्स में अहम किरदार निभा चुकी हैं। तान्या शर्मा की सोशल मीडिया पर भी अच्छी खासी फैन फॉलोइंग है। इंस्टाग्राम पर इस टीवी हसीना को 34 लाख लोग फॉलो करते हैं।

शहनाज गिल के जबरा फैन ने सीने पर बनवाया एक्ट्रेस का टैटू, देखकर हैरान हुए लोग

एक्ट्रेस शहनाज गिल इन दिनों अपनी हालिया रिलीज हुई फिल्म सिंह वर्सेज कौर 2 को लेकर चर्चा में बनी हुई है। दरअसल इस फिल्म में ये गिप्पी ग्रेवाल के साथ लीड रोल में है। 11 सितंबर को रिलीज हुई इस फिल्म को दर्शकों की तरफ से पॉजिटिव रिस्पॉन्स मिल रहा है। वहीं हाल ही में शहनाज के जबरे फैन ने कुछ ऐसा किया, जिसे देखकर वे हैरान रह गई।

दरअसल एक फैन ने अपनी सीने पर शहनाज गिल का टैटू बनवाया था। एक्ट्रेस ने जब अपने इस क्रेजी फैन से मुलाकात कि तो वे हैरान रह गई। दरअसल एक्टर ने उस शख्श से पूछा कि- आपने मेरा टैटू क्यों बनवाया है ? इस पर आदमी ने जवाब दिया कि- मैं आपका बहुत बड़ा फैन हूँ, इसलिए मैंने आपका टैटू बनवाया है। इसके बाद शहनाज ने अपने उस फैन को थैंक्यू भी कहा। वीडियो देखने के लिए क्लिक करें।

शहनाज गिल का ये वीडियो सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रहा है। वहीं इस वीडियो को देखने के बाद सोशल मीडिया यूजर्स दो भागों में बंट गए। कंई यूजर्स ने इस फैन की तारीफ की है तो कंई अन्य लोगों का कहना है कि इस इंसान को ऐसा नहीं करना चाहिए था।

शहनाज गिल की प्रोफेशनल लाइफ

वहीं बात करें शहनाज गिल की प्रोफेशनल लाइफकि तो ये पंजाबी इंडस्ट्री की एक मशहूर अभिनेत्री है। इन्होने काला शाह काला, हौंसला रख, रन्ना च धन्ना सहित कंई पंजाबी फिल्मों में काम किया है। पंजाबी इंडस्ट्री में नाम कमाने के बाद इन्होने साल 2019 में सलमान खान के रियलिटी शो 'बिग बॉस 13' में हिस्सा लिया था, जिसके बाद ये काफी चर्चा में आ गई थी।

वहीं बिग बॉस के बाद शहनाज ने साल 2023 में सलमान की फिल्म 'किसी का भाई किसी की जान' से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद इन्होंने 'थैंक्यू फॉर कमिंग', और 'विक्की और विद्या का वो वाला वीडियो' सहित कंई हिंदी फिल्मों में भी काम किया है।

आदित्य रॉय कपूर के साथ फिल्म बनाएंगे निर्देशक मिलाप जावेरी, साउथ से बुलाएंगे ये अभिनेत्री

बॉलीवुड अभिनेता आदित्य रॉय कपूर अपनी अगली फिल्म के लिए कमर कस रहे हैं। टी-सीरीज द्वारा निर्मित इस अनाम फिल्म को एक तीव्र, हिंसक और संगीतमय प्रेम कहानी के रूप में दर्शाया जाएगा, जिसका निर्देशन मिलाप जावेरी करेंगे। चूकि मिलाप एक दीवाने की दीवानियत और तेरा यार हूं मैं जैसी रोमांटिक कहानियां बनाने में माहिर हैं, इसलिए यह उनकी शैली के अनुरूप बैठती है। ताजा अपडेट है कि फिल्म में आदित्य के साथ साउथ अभिनेत्री भाग्यश्री बोरसे नजर आएंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, भाग्यश्री के लिए यह फिल्म बॉलीवुड में उनका बड़ा ब्रेक साबित हो सकती है।

जाहिर है कि उन्होंने रवि तेजा के साथ फिल्म मिस्टर बच्चन से तेलुगु सिनेमा में कदम रखा था। इसके बाद विजय देवरकोंडा की फिल्म किंगडम और दुलकर सलमान के साथ कांथा में प्रशंसित भूमिका निभाई।

हिंदी फिल्म यारियां 2 में सहायक किरदार और चंदू चैंपियन में संक्षिप्त किरदार निभाने के बाद, टी-सीरीज की फिल्म भाग्यश्री के करियर को नई ऊंचाइयां दिला सकती है।

रिपोर्ट के अनुसार, बिना नाम वाली इस फिल्म की शूटिंग इस साल के आखिर में शुरू करने की योजना है। इसे 2027 में रिलीज करने का लक्ष्य रखा जा रहा है। निर्माताओं की तरफ से आने वाले हफ्तों में आधिकारिक घोषणा की जा सकती है।

काम के मोर्चे पर, आदित्य को आखिरी बार अनुराग बसु की निर्देशित फिल्म मेट्रो... इन दिनों (2025) में देखा गया था। इसमें उनके साथ सारा अली खान, अली फजल, फातिमा सना शेख जैसे कलाकार थे।

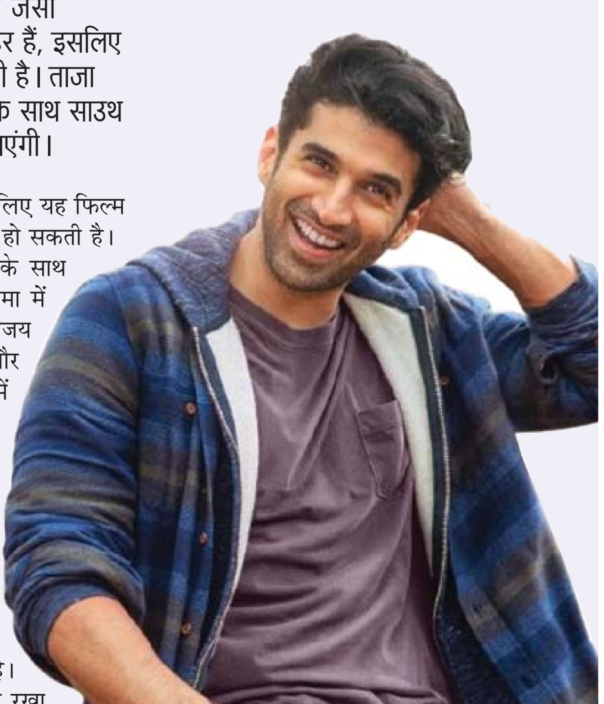

पति की दीर्घायु और सुखी दांपत्य की कामना महिलाएं रखेंगी निर्जला तीज व्रत

हरितालिका तीज का पर्व महिलाओं के बीच उत्साह है, जहां वे पति की लंबी उम्र की कामना से निर्जला व्रत रखेंगी। नहाय-खाय के बाद सोमवार को शिव-पार्वती की विशेष पूजा होगी। कुंवारी कन्याएं भी मनचाहे वर के लिए यह व्रत रखती हैं।

पति की दीर्घायु और सुख-समृद्धि की कामना को लेकर मनाया जाने वाला तीज उर्फ हरितालिका पर्व को लेकर सुहागिन महिलाओं में उत्साह है। पर्व का नहाय-खाय रविवार को संपन्न हो गया, जबकि सोमवार को महिलाएं निर्जला उपवास रखेंगी। सोमवार को तीज पर्व को लेकर महिलाओं ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। नहाय-खाय के दिन महिलाओं ने स्नान कर शुद्धता के साथ पूजा-अर्चना की और सात्विक भोजन ग्रहण किया।

निर्जला व्रत रखकर करेंगी शिव-पार्वती की पूजा

सोमवार को महिलाएं निर्जला व्रत रखेंगी और भगवान शिव व माता पार्वती की पूजा-अर्चना करेंगी। मान्यता है कि इस व्रत को करने से पति की दीर्घायु तथा दांपत्य जीवन में सुख-समृद्धि बनी रहती है। पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह है और उन्होंने पूजा की तैयारियां शुरू कर दी हैं।

कुंवारी कन्याएं भी रखती हैं हरतालिका तीज का व्रत

पंडित सिद्धनाथ पाण्डेय ने बताया कि हरतालिका तीज 2026 का व्रत 14 सितंबर, सोमवार को रखा जाएगा। इस दिन शिव-पार्वती की पूजा के लिए सुबह 6:05 बजे से 7:06 बजे तक सिर्फ1 घंटा 1 मिनट का शुभ मुहूर्त रहेगा।

उन्होंने बताया कि सुहागिन महिलाएं पति की लंबी उम्र और सुखी वैवाहिक जीवन की कामना से व्रत रखती हैं। वहीं, कुंवारी कन्याएं भी मनचाहे वर की कामना के लिए हरतालिका तीज का व्रत करती हैं। हरतालिका तीज पर भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा की जाती है।

बाजारों में दिखी जबरदस्त चहल-पहल

हरितालिका तीज को लेकर बाजारों में भी जबरदस्त चहल-पहल देखी गयी। पर्व को लेकर महिलाओं ने पूजा की सामग्री और अन्य आवश्यक सामानों की खरीदारी की। नहाय-खाय के बाद सोमवार को होने वाले निर्जला व्रत को लेकर महिलाओं में उत्साह बना हुआ है।

दोपहर के बाद सुस्ती महसूस हो रही है? इन 5 तरीकों से बने रहें ऊर्जावान

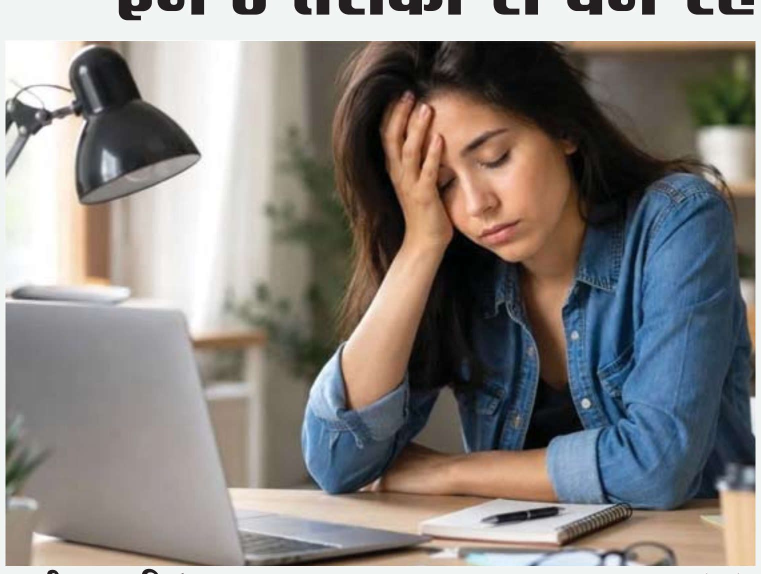

सुस्ती एक आम समस्या है, खासकर जब आप पूरे दिन काम कर रहे हों। अगर आप दोपहर के बाद सुस्ती महसूस करते हैं तो इसका मतलब है कि आपका शरीर थकान महसूस कर रहा है और ऊर्जा कम हो रही है। यह समस्या ज्यादातर ऑफिस में काम करने वाले लोगों को होती है। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और असरदार तरीके बताएंगे, जिनसे आप अपनी सुस्ती को दूर कर सकते हैं और पूरे दिन तरोताजा रह सकते हैं।

पानी ज्यादा पिएं

पानी का ज्यादा सेवन करना आपके शरीर को तरोताजा रखता है और सुस्ती को दूर करता है। दिनभर में कम से कम 8-10 गिलास पानी पीना चाहिए।

अगर आपको सादा पानी पीना अच्छा नहीं लगता तो उसमें नींबू या पुदीना डाल सकते हैं। इसके अलावा नारियल पानी या ताजे फलों का रस भी एक अच्छा विकल्प हो सकता है।

इससे न केवल आपकी प्यास बुझती है, बल्कि शरीर में ताजगी भी बनी रहती है और थकान महसूस नहीं होती।

हल्का व्यायाम करें

हल्का व्यायाम आपके शरीर में खून के बहाव को बेहतर करता है, जिससे आप तरोताजा महसूस करते हैं। ऑफिस में ही कुछ मिनट टहलें या हल्के स्ट्रेचिंग व्यायाम करें।

इसके अलावा ब्रेक के समय कुछ योगासन, जैसे ताड़ासन या वृक्षासन कर सकते हैं। इससे न केवल आपकी शारीरिक हालत सुधरती है, बल्कि मानसिक थकान भी कम होती है।

हल्का व्यायाम आपके शरीर को सक्रिय रखता है और सुस्ती को दूर करने में मदद करता है।

पौष्टिक नाश्ता करें

सुबह का नाश्ता जरूरी होता है, क्योंकि यह आपके दिन की शुरुआत करता है। नाश्ते में ओट्स, फल या दही जैसी चीजें शामिल करें, ताकि आपको पूरे दिन ऊर्जा मिलती रहे।

इसके अलावा मूंगफली का मक्खन भी ले सकते हैं, क्योंकि ये प्रोटीन से भरपूर होता है। ये आपको लंबे समय तक भरा हुआ महसूस कराते हैं और सुस्ती से बचने में मदद करते हैं।

सही नाश्ता आपके शरीर को जरूरी ताकत देता है।

छोटे-छोटे ब्रेक लें

काम के दौरान छोटे ब्रेक लेना आपके शरीर और दिमाग के लिए बहुत जरूरी होता है। हर घंटे के बाद 5-10 मिनट का ब्रेक लेकर गहरी सांस लें।

इससे आपका मन शांत रहेगा और आप फिर से तरोताजा महसूस करेंगे। गहरी सांस लेने से शरीर में ऑक्सीजन का स्तर बढ़ता है, जिससे थकान कम होती है और दिमाग भी बेहतर तरीके से काम करता है।

यह तरीका आपके काम की गुणवत्ता को भी बढ़ाता है।

सही रोशनी में काम करें

अगर आप ऐसी जगह काम कर रहे हैं, जहां रोशनी कम है तो आंखें जल्दी थक सकती हैं और सुस्ती महसूस होने लगती है। हमेशा अच्छी रोशनी वाली जगह पर काम करें।

प्राकृतिक रोशनी सबसे अच्छी होती है, लेकिन अगर संभव न हो तो ऐसी लाइट का उपयोग करें, जो आंखों पर ज्यादा जोर न डालें।

इसके अलावा ब्रेक के समय आंखों को आराम देने के लिए कुछ मिनट उन्हें बंद रखें। ऐसा करने से आंखों की थकान कम होगी।

नीलम ने गोविंदा संग रिश्ते की अफवाहों पर रिएक्शन दिया

बोलीं- उस समय मैं बहुत छोटी थी, उनकी शादी की जानकारी बाद में मिली

एक्ट्रेस नीलम कोठारी ने हाल ही में गोविंदा के साथ अपने रिश्ते की अफवाहों पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि जब दोनों के रिश्ते को लेकर चर्चाएं थीं, तब वह बहुत छोटी थीं और उन्हें गोविंदा की शादी की जानकारी नहीं थी।

नीलम ने यह बात टाइम्स नाउ के इंटरव्यू में कही। गौरतलब है कि नीलम कोठारी और गोविंदा ने 1980 के दशक और 1990 के शुरुआती वर्षों में कई फिल्मों में साथ काम किया था। इसके बाद दोनों के रिश्ते को लेकर अफवाहें वर्षों तक चलती रहीं।

इंटरव्यू में नीलम से कहा गया कि गोविंदा ऑफ-स्क्रीन उनसे प्यार करते थे। इस पर नीलम ने कहा, मुझे नहीं पता। सबसे पहले तो मैं उस समय बहुत छोटी थी। अब मुझे पता चला है कि शायद उस वक्त उनकी शादी हो चुकी थी। वहीं, नीलम के पास बैठे पति समीर सोनी ने गोविंदा को लेकर कहा, वह बहुत अच्छे इंसान हैं। जब भी मैं उनसे मिला हूं, वह बहुत गर्मजोशी से मिले हैं।

समीर ने यह भी कहा, जो बात 20 साल पहले हुई भी हो सकती है और नहीं भी, उसके बारे में मुझे पता ही नहीं, तो मैं उसे लेकर कैसे बैठ सकता हूं? वह अब भी दावा करते हैं कि वह तुमसे बहुत प्यार करते थे। नीलम ने 2000 में बिजनेसमैन ऋषि सेठिया से पहली शादी की थी। कुछ समय बाद दोनों का तलाक हो गया। नीलम और अभिनेता समीर सोनी की 2011 में शादी हुई थी। नीलम ने 2000 में बिजनेसमैन ऋषि सेठिया से पहली शादी की थी। कुछ समय बाद दोनों का तलाक हो गया। नीलम और अभिनेता समीर सोनी की 2011 में शादी हुई थी।

नीलम ने यह भी बताया कि कम उम्र की वजह से उनके परिवार का कोई सदस्य शूटिंग पर उनके साथ जाता था। नीलम के मुताबिक, सेट पर सभी लोग उन्हें बहुत प्यार करते थे। उनके को-स्टार्स भी उनके साथ बच्चे जैसा व्यवहार करते थे। समीर सोनी ने कहा कि जैकी श्रॉफ और संजय दत्त खास तौर पर नीलम को लेकर बहुत प्रोटेक्टिव रहते थे।

नीलम और गोविंदा की जोड़ी

नीलम कोठारी और गोविंदा की जोड़ी ने 80 और 90 के दशक में कई फिल्मों में साथ काम किया था। पर्दे पर उनकी केमिस्ट्री दर्शकों को खूब पसंद आती थी। इस जोड़ी की पर्दे पर शुरुआत फिल्म 'लव 86' से हुई थी। 14 फरवरी 1986 को रिलीज हुई यह मूवी गोविंदा की डेब्यू फिल्म भी थी। इसके 2 हफ्ते बाद 28 फरवरी 1986 को दोनों की दूसरी फिल्म 'इल्जाम' रिलीज हुई। इस फिल्म के गानों और गोविंदा के बेहतरीन डांस ने उन्हें रातों-रात फिल्म इंडस्ट्री में बड़ी पहचान दिलाई।

खास खबर

ईडब्ल्यूएस भूमि की जांच में 5 कॉलोनी प्रकरणों में नोटिस जारी

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं वित्त मंत्री ओपी चौधरी के नेतृत्व में राज्य सरकार पारदर्शी एवं जवाबदेह प्रशासन के साथ आम नागरिकों के हितों की रक्षा के लिए नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दे रही है। इसी क्रम में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के निर्देश पर रायगढ़ जिले में कॉलोनाइजरों द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के लिए निर्धारित भूमि एवं भू-खंडों को आरक्षित रखने तथा उनके नियमानुसार विक्रय से जुड़े प्रावधानों की व्यापक जांच की जा रही है। जांच के क्रम में अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), रायगढ़ द्वारा ग्राम खैरपुर, पण्डरीपानी पूर्व, बड़े अतरमुड़ा एवं जोरापाली स्थित पांच कॉलोनी प्रकरणों से संबंधित कॉलोनाइजरों को नोटिस जारी किए गए हैं। सभी संबंधितों को 22 सितंबर 2026 को प्रात: 11 बजे आवश्यक दस्तावेज एवं जानकारी के साथ एसडीएम कार्यालय, रायगढ़ में उपस्थित होने के निर्देश दिए गए हैं। एसडीएम रायगढ़ महेश शर्मा ने बताया कि कलेक्टर कार्यालय द्वारा 1 सितंबर 2026 को जारी निर्देशों के परिपालन में शुरू हुई जांच के तहत कॉलोनाइजरों द्वारा ईडब्ल्यूएस के लिए निर्धारित भूमि, कॉलोनी विकास से संबंधित विभिन्न वैधानिक प्रावधानों के पालन की स्थिति का परीक्षण किया जा रहा है।

गंगरेल के 6 गेट खोले गए

राजिम। पानी की आवक बढ़ने से गंगरेल बांध के छह गेट खोल दिए गए हैं, जिससे महानदी में बाढ़ के हालात हैं। फिलहाल प्रति सेकंड 10400 क्यूसेक (एक क्यूसेक यानी 28.317 लीटर) पानी छोड़ा जा रहा है। जबकि शुक्रवार-शनिवार की दरम्यानी रात गंगरेल बांध से 53 हजार क्यूसेक पानी प्रति सेकंड छोड़ा गया था। इससे नदी में बाढ़ की स्थिति बन गई है। बाद में पानी की आवक घटने पर जावक भी घटाकर 10400 क्यूसेक कर दिया गया है। अभी बांध के 6 गेट खोलकर पानी नदी में छोड़ा जा रहा है। सिहावा-नगरी क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश से नदी-नाले उफान पर हैं, जिससे कई रास्ते पूरी तरह बंद हो गए हैं। नगरी विकासखंड के लटियारा ग्राम पंचायत के आश्रित ग्राम चर्रा के कच्छारपारा के बीच स्थित डुमर नाला में पुलिया नहीं होने से शनिवार को एक मरीज कोखाट पर लादकर नाला पार कराना पड़ा।

बच्चों के मध्याह्न भोजन के लिए उगाई जाएंगी देसी सब्जी-भाजी

महासमुंद। शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला बरेकेलकला में पूरक पोषण योजना के तहत किचन गार्डन का शुभारंभ किया गया। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अनुपमा आनंद, जिला शिक्षा अधिकारी बी.एल. देवांगन, विकासखंड शिक्षा अधिकारी भोपाल सिंह बंजारा और करारोपण अधिकारी आई.एस.ठाकुर ने गार्डन में बीजरोपण किया। सीईओ ने स्कूली बच्चों के साथ किचन गार्डन के महत्व, उपयोगिता और उद्देश्यों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस गार्डन से उगाई जाने वाली ताज़ी सब्जियों का उपयोग विद्यार्थियों के मध्याह्न भोजन में किया जाएगा। इसके साथ ही शाला प्रबंधन समिति को गार्डन के बेहतर रखरखाव के निर्देश दिए गए। कार्यक्रम के दौरान पूर्व माध्यमिक विद्यालय और हाई स्कूल परिसर में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत नारियल के पौधे रोपे गए। उन्होंने विद्यार्थियों को विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लेने, 15 वर्ष की आयु वर्ग वाले छात्रों को माय भारत पोर्टल पर पंजीयन कराने और सेवा संकल्प अभियान में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

देश में सर्वाधिक रिकवरी दर, किसानों की मेहनत का परिणाम - विजय शर्मा

शक्कर कारखाना कवर्धा को सर्वोच्च शुगर रिकवरी के लिए वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 हेतु राष्ट्रीय स्तर का मिला एफिशिएंसी अवार्ड

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। देश में लगातार दो वर्षों तक सर्वाधिक रिकवरी का गौरव हासिल करने वाले भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना ने किसानों को एक और बड़ी सौगात दी है। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने 28 हजार शेयरधारी गन्ना किसानों को 30 रुपए प्रति किलो की रियायती दर पर 50 किलो शक्कर वितरण का शुभारंभ किया। यह लगातार तीसरा वर्ष है, जब किसानों को रियायती दर पर शक्कर उपलब्ध कराई जा रही है।

कार्यक्रम में आदिम जाति विकास, कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे। भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना कवर्धा को नेशनल को ऑपरेटिव शुगर फेडरेशन,नई दिल्ली के द्वारा सर्वोच्च शुगर रिकवरी के लिए वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में एफिशिएंसी अवार्ड प्राप्त होने पर क्षेत्र वासियों, शेयर धारक किसानों एवं कर्मचारियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने किसानों की सुविधा के लिए भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना परिसर में डोम निर्माण की घोषणा की। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि यह कारखाना किसानों का अपना कारखाना है और इसकी मजबूती किसानों की सहभागिता से ही संभव है। उन्होंने कहा कि भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना में लगातार तीसरे वर्ष किसानों को रियायती दर पर शक्कर वितरण की शुरुआत की गई है। इस वर्ष 4 हजार 686 नए किसानों को शेयरधारी बनाया गया है। इस प्रकार अब लगभग 28 हजार शेयरधारी किसानों को 30 रुपए प्रति किलो की दर से 50 किलो शक्कर उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने कहा कि किसानों को यह लाभ सहकारिता की भावना और कारखाने से उनके जुड़ाव का महत्वपूर्ण परिणाम है। उप मुख्यमंत्री ने बताया कि पिछले वर्ष कारखाने में 2 लाख 55 हजार मीट्रिक टन गन्ने की पेराई की गई थी। इस वर्ष इसे बढ़ाकर 4 लाख मीट्रिक टन करने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही, 10 हजार किसानों से गन्ना अनुबंध कराने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने किसानों से अपील की कि वे अधिक से अधिक संख्या में कारखाने से अनुबंध करें और गन्ना उपलब्ध कराएं, ताकि कारखाना निरंतर सुचारु रूप से संचालित हो सके। उन्होंने कहा कि किसानों के सहयोग से ही कारखाना आगे बढ़ेगा और इसका लाभ भी किसानों तक पहुंचेगा। इस अवसर पर पूर्व संसदीय सचिव डॉ. सियाराम साहू, जिला पंचायत उपाध्यक्ष कैलाश चंद्रवंशी, जिला पंचायत सदस्य राम कुमार भट्ट, नगर पंचायत अध्यक्ष बोड़ला विजय पाटिल, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विदेशीराम धुर्वे, संतोष पटेल, मनीराम साहू, भुनेश्वर चंद्राकर, रामकिंकर वर्मा, खिलेश्वर साहू सहित जनप्रतिनिधि और किसान उपस्थित रहे। उप मुख्यमंत्री शर्मा ने बताया कि भोरमदेव सहकारी शक्कर कारखाना ने वर्ष 2024-25 और 2025-26 में पूरे देश में सर्वाधिक रिकवरी प्राप्त करने वाले कारखाने के रूप में गौरव हासिल किया है। इसके लिए कारखाने को प्रमाण पत्र भी प्रदान किया गया है। उन्होंने कहा कि बेहतर रिकवरी केवल कारखाने की उपलब्धि नहीं, बल्कि किसानों की मेहनत का परिणाम है। किसानों द्वारा उत्पादित गुणवत्तापूर्ण गन्ने और उनके परिश्रम से ही कारखाना उच्च स्तर पर पहुंचा है। उन्होंने कहा कि किसानों की मेहनत, कारखाना प्रबंधन की कार्यक्षमता और सहकारिता की भावना मिलकर भोरमदेव शक्कर कारखाना को नई पहचान दे रही है।उप मुख्यमंत्री ने कहा कि सहकारी समिति की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इसमें होने वाला लाभ सभी सदस्यों के बीच साझा होता है। यही कारण है कि सहकारिता किसानों के लिए उपयोगी और लाभकारी व्यवस्था है। उन्होंने किसानों से आग्रह किया कि वे कारखाने से जुड़कर शेयरधारी बनें और गन्ना अनुबंध के माध्यम से इसकी गतिविधियों को और मजबूत करें। उन्होंने किसानों को समर्थन मूल्य बोनस बढ़ाने का भी आश्वासन दिया।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण तथा जैव प्रौद्योगिकी मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि आज का दिन बहुत महत्वपूर्ण है। तीजा पर्व और गणेश चतुर्थी की तैयारियों के बीच किसानों को शक्कर का वितरण किया जाना खुशी की बात है। त्योहारों में प्रसाद और पकवानों के लिए मिठास की आवश्यकता होती है, ऐसे समय में किसानों को रियायती दर पर शक्कर मिलने से त्योहार की खुशियों में और मिठास बढ़ेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के निर्देश और उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा के प्रयासों से किसानों के हित में शक्कर वितरण की व्यवस्था फिर शुरू हुई है। कवर्धा के किसानों की मेहनत और परिश्रम ने प्रदेश को नई पहचान दिलाई है।

सेवा संकल्प अभियान 2026: हुनर को मिल रही नई उड़ान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। कभी घर-आंगन और गांव की परंपराओं तक सीमित रहने वाला हुनर अब रोजगार और आत्मनिर्भरता की नई राह बना रहा है। जशपुर जिले के ग्राम घोलेंग में पारंपरिक हस्तकरघा कला को आधुनिक तकनीक, कौशल प्रशिक्षण और बाजार की जरूरतों से जोड़कर महिलाओं और युवाओं के लिए आजीविका के नए अवसर तैयार किए जा रहे हैं। यह पहल न केवल स्थानीय हुनर को नई पहचान देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने की संभावनाओं को भी आकार दे रही है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने और युवाओं को रोजगारपरक कौशल से जोड़ने के प्रयासों को निरंतर गति दी जा रही है। इसी दिशा में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने महिलाओं

और युवाओं को आधुनिक तकनीक एवं कौशल प्रशिक्षण से जोड़ने पर विशेष जोर दिया है। घोलेंग का आजीविका परिसर इसी सोच को जमीन पर साकार करने का उदाहरण बन रहा है।

ग्राम घोलेंग स्थित आजीविका परिसर में स्थानीय महिलाओं और युवाओं को टेक्सटाइल एवं हैंडलूम से जुड़े कार्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आदित्य बिरला ग्रुप, जिला प्रशासन, बिहान एवं टेक्सटाइल स्किल सेक्टर काउंसिल के संयुक्त प्रयास से संचालित यह पहल प्रशिक्षण को केवल कौशल सीखने तक सीमित नहीं रखती, बल्कि इसके साथ उत्पादन गतिविधियों को भी विकसित करने पर जोर दे रही है। घोलेंग में आजीविका से परंपरागत रूप से जुड़े लगभग 35 से 40 परिवारों एवं स्व सहायता समूहों की महिलाओं को हैंडलूम और टेक्सटाइल से संबंधित कार्यों का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। महिलाएं आधुनिक तकनीक और मशीनों के माध्यम से कपड़ा तैयार करने के साथ शॉल, साड़ी और अन्य उपयोगी उत्पाद बनाने का हुनर सीख रही हैं।

इस व्यवस्था का उद्देश्य स्पष्ट हैकृहाथों में हुनर आए और उस हुनर को आय का साधन भी मिले। प्रशिक्षण के साथ उत्पादन का अवसर मिलने से महिलाएं सीखे हुए कौशल को वास्तविक कार्य में उपयोग कर रही हैं और भविष्य में इसे अपनी नियमित आजीविका से जोड़ने की दिशा में आगे बढ़ रही हैं।

जशपुर की पहचान उसकी समृद्ध जनजातीय संस्कृति, परंपराओं और स्थानीय हुनर से है। घोलेंग में इसी पारंपरिक कौशल को आधुनिक तकनीक से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को उत्पादन की आधुनिक प्रक्रियाओं के साथ डिजाइन, गुणवत्ता और बाजार की मांग के अनुरूप उत्पाद तैयार करने की जानकारी दी जा रही है। इससे पारंपरिक हस्तकरघा कला को केवल सांस्कृतिक विरासत के रूप में संरक्षित करने के बजाय उसे आधुनिक आर्थिक गतिविधि से जोड़ने का रास्ता तैयार हो रहा है। बेहतर डिजाइन और गुणवत्ता वाले उत्पादों को बाजार से जोड़ने की तैयारी के साथ स्थानीय हस्तकरघा उत्पादों को व्यापक पहचान दिलाने की संभावनाएं भी मजबूत हो रही हैं। इस पहल की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी महिला स्व-सहायता समूह हैं।

प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद महिलाएं अपने समूहों के माध्यम से उत्पादन गतिविधियों में भागीदारी कर सकेंगी। इससे समूह आधारित आजीविका को बढ़ावा मिलने के साथ महिलाओं की आय के नए स्रोत विकसित होने की संभावना है। महिलाओं के आर्थिक रूप से सशक्त होने का प्रभाव केवल उनके परिवार तक सीमित नहीं रहता।

भगवान महावीर जन्म वाचन समारोह उल्लास के साथ जय आनंद मधुकर रतन भवन में संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। जय आनंद मधुकर रतन भवन, बांधा तालाब, दुर्ग में भगवान महावीर स्वामी का जन्म वाचन समारोह श्रद्धा, भक्ति एवं उल्लासपूर्ण वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम जैन संत डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज एवं साध्वी श्री लक्ष्मी जी म.सा. के पावन सानिध्य में आयोजित किया गया। जन्म वाचन समारोह के अवसर पर जय आनंद मधुकर रतन पाठशाला के बच्चों द्वारा भगवान महावीर स्वामी के जन्म प्रसंग एवं उनके जीवन संदेश पर आधारित सुंदर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। बच्चों की मनमोहक प्रस्तुतियों ने उपस्थित श्रद्धालुओं का मन मोह लिया और सभी ने करतल ध्वनि से उनका उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज ने भगवान महावीर स्वामी के जन्म वाचन का वाचन करते हुए भक्तिमय भजन प्रस्तुत किया। उन्होंने भगवान महावीर के जीवन, त्याग, तपस्या, संयम और अहिंसा के संदेश पर प्रकाश डालते हुए कहा कि भगवान महावीर का जीवन संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणा का स्रोत है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि स्वतंत्रता सुख है और परतंत्रता को हम दुख समझते हैं, लेकिन स्वच्छंदता व्यक्ति को लगामहीन बना देती है। जीवन में स्वतंत्रता के साथ अनुशासन और संयम का होना अत्यंत आवश्यक है। भगवान महावीर ने संयमित जीवन के माध्यम से आत्मकल्याण का मार्ग दिखाया। धर्मसभा में डॉ. मणिभद्र मुनि जी महाराज ने भगवान महावीर के जीवन-चरित्र के विभिन्न पहलुओं पर सुंदर एवं प्रेरणादायी संबोधन दिया।

बच्चों ने संभाली पंचायत की कमान, मंच पर दिखी लोकतंत्र की असली ताकत

श्रीकंचनपथ समाचार

बस्तर। एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय गीदम में विद्यार्थियों को लोकतांत्रिक मूल्यों, नेतृत्व क्षमता और गांव के स्तर पर निर्णय लेने की प्रक्रिया से परिचित कराने के लिए आदर्श युवा ग्राम सभा का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों ने ग्राम पंचायत की कार्यप्रणाली का जीवंत मंचन कर दिखाया कि लोकतंत्र की असली ताकत जनभागीदारी और सामूहिक फैसलों में है।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिला पंचायत दंतेवाड़ा की सदस्य सुलोचना कर्मा, नगर पंचायत गीदम के नेता प्रतिपक्ष सोहन यादव, पार्षद श्रीकांत राव, एकलव्य विद्यालय कटेकल्याण के उप प्राचार्य टीएल साहू और खेल शिक्षक शुभम सांगवान उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर की। इसके बाद विद्यार्थियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का स्वागत किया।

युवा ग्राम सभा का उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्राम सभा की भूमिका, पंचायत के कामकाज और स्थानीय स्वशासन की प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप से समझाना था। विद्यार्थियों ने ग्राम सभा की बैठक, ग्रामीणों की समस्याओं पर चर्चा, प्रस्तावों पर विचार और सामूहिक निर्णय लेने की प्रक्रिया को मंच पर प्रस्तुत किया।

चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी से फीता कटवाकर कलेक्टर ने कराया नवीनीकरण सभाकक्ष का शुभारंभ

श्रीकंचनपथ समाचार

धमतरी। जिला कार्यालय धमतरी (कलेक्ट्रेट) के सभाकक्ष के नवीनीकरण (रेनोवेशन) का कार्य पूर्ण होने के बाद को कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने विगत दिवस इसका सादगीपूर्ण शुभारंभ कराया। कलेक्टर ने सभाकक्ष की देखरेख एवं व्यवस्था में लंबे समय से जिम्मेदारी निभा रहे कलेक्ट्रेट के चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी रूपेश कुलदीप से फीता कटवाकर सभाकक्ष का उद्घाटन कराया। इस अवसर पर ईश्वरी मंडावी एवं घनश्याम कुलदीप भी उपस्थित

रहे। कलेक्टर मिश्रा की इस पहल ने प्रशासन में हर स्तर पर कार्यरत कर्मचारियों के सम्मान और सहभागिता की भावना को रेखांकित किया। उन्होंने सभाकक्ष की व्यवस्था एवं देखरेख में योगदान देने वाले कर्मचारी को उद्घाटन का अवसर देकर यह संदेश दिया कि कार्यालय की व्यवस्थाओं को सुचारू बनाने में प्रत्येक कर्मचारी की भूमिका महत्वपूर्ण है।

शुभारंभ के पश्चात कलेक्टर अबिनाश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक भावना पांडेय, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जयंत नाहटा, अपर कलेक्टर इंदिरा देवहारी सहित जिला स्तरीय अधिकारियों ने नवीनीकृत सभाकक्ष का अवलोकन किया। उसके बाद बैठक शुरू हुई ।

कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष को वर्तमान समय की प्रशासनिक बैठकों एवं वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग सहित विभिन्न शासकीय गतिविधियों की आवश्यकताओं के अनुरूप आधुनिक रूप दिया गया है। सभाकक्ष में बैठकों को अधिक व्यवस्थित, प्रभावी और सुविधाजनक बनाने के लिए आधुनिक तकनीकी उपकरणों तथा आवश्यक सुविधाओं को शामिल किया गया है। इससे जिला स्तरीय बैठकों, समीक्षा बैठकों, वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, प्रस्तुतियों एवं अन्य प्रशासनिक गतिविधियों के संचालन में सुविधा होगी।

धरमजयगढ़ में बाजार अधोसंरचना को मिलेगा नया विस्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में ग्रामीण एवं नगरीय क्षेत्रों की अधोसंरचना को मजबूत करने और स्थानीय अर्थव्यवस्था को गति देने के लिए निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं।

वित्त मंत्री ओपी चौधरी के प्रयासों से रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ में स्थानीय बाजार को बेहतर सुविधाओं से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई है। नगर पंचायत धरमजयगढ़ में गांधी चौक के पास बाजार शेड निर्माण के लिए 45 लाख 42 हजार रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की गई है। यह कार्य जिला खनिज न्यास (डीएमएफ) मद से कराया जाएगा।

बाजार शेड के निर्माण से किसानों एवं स्थानीय व्यापारियों को कृषि उपज के क्रय-विक्रय के लिए व्यवस्थित, सुरक्षित और सुविधाजनक स्थान उपलब्ध होगा। इससे किसानों को अपनी उपज के विपणन के लिए बेहतर सुविधा मिलेगी, वहीं स्थानीय व्यापारिक गतिविधियों को भी नया आधार प्राप्त होगा।

नवनिर्मित बाजार शेड में कृषि उत्पादों को धूप और बारिश से सुरक्षित रखने की सुविधा मिलेगी। बाजार क्षेत्र में अधोसंरचना के विकास से व्यापारिक गतिविधियां अधिक व्यवस्थित होंगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार एवं आर्थिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा। साथ ही, बाजार में आने वाले उपभोक्ताओं को भी अधिक सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध होगा। यह पहल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में किसानों की सुविधा, स्थानीय व्यापार को प्रोत्साहन और क्षेत्रीय अधोसंरचना के विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को मजबूती प्रदान करेगी।

लोईंग में शुरू हुआ 10 बिस्तर जिला नशा मुक्ति केंद्र

नशे से प्रभावित लोगों को उपचार, काउंसलिंग और पुनर्वास की मिलेगी समुचित सुविधा

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नशे की समस्या से प्रभावित लोगों को बेहतर उपचार, परामर्श और पुनर्वास की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में राज्य शासन द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में रायगढ़ जिले के लोईंग में 10 बिस्तर जिला नशा मुक्ति केंद्र की सेवाएं प्रारंभ की गई हैं। मुख्यमंत्री साय के नेतृत्व में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और नशामुक्त समाज की दिशा में किए जा रहे प्रयासों के तहत यह केंद्र नशे की लत से प्रभावित लोगों के लिए उपचार एवं पुनर्वास का महत्वपूर्ण केंद्र बनेगा।

राज्य शासन के निर्देशों के पालन में कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग द्वारा केंद्र के संचालन के लिए आवश्यक मानव संसाधन, चिकित्सकीय सुविधाएं, दवाइयां एवं अन्य जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। केंद्र में मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार उपचार के साथ नियमित चिकित्सकीय निगरानी की व्यवस्था रहेगी। जिला नशा मुक्ति केंद्र में नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों को आवश्यक चिकित्सकीय उपचार उपलब्ध कराने के साथ ही काउंसलिंग की सुविधा भी दी जाएगी। प्रशिक्षित काउंसलर द्वारा मरीजों को नशे के शारीरिक एवं मानसिक दुष्प्रभावों की जानकारी दी जाएगी तथा उन्हें नशे की आदत से बाहर निकलने के लिए मानसिक रूप से तैयार किया जाएगा। उपचार के दौरान मरीजों को आवश्यक सहयोग एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जगत ने बताया कि केंद्र का उद्देश्य नशे की लत से प्रभावित व्यक्तियों को उचित उपचार उपलब्ध कराकर उन्हें स्वस्थ एवं सामान्य जीवन की ओर वापस लाना है। मरीजों की स्वास्थ्य स्थिति के अनुसार आवश्यक औषधियां एवं उपचार उपलब्ध कराया जाएगा तथा उपचार अवधि में उनके स्वास्थ्य की नियमित निगरानी की जाएगी। आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था भी केंद्र में की गई है। केंद्र के व्यवस्थित संचालन एवं मरीजों की देखभाल के लिए केयरटेकर, सिक्योरिटी गार्ड और प्रशिक्षित काउंसलर की सेवाएं उपलब्ध रहेंगी। इससे मरीजों को सुरक्षित एवं सहयोगात्मक वातावरण में उपचार प्राप्त करने में मदद मिलेगी। जिला नशा मुक्ति केंद्र का उद्देश्य केवल नशे की आदत छुड़ाना नहीं, बल्कि प्रभावित व्यक्तियों को मानसिक रूप से सशक्त बनाकर उन्हें परिवार और समाज की मुख्यधारा से दोबारा जोड़ना भी है। उपचार एवं काउंसलिंग के माध्यम से मरीजों को नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया जाएगा तथा उपचार के बाद सामान्य सामाजिक जीवन में लौटने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन और सहयोग प्रदान किया जाएगा।

सीएमएचओ डॉ. अनिल जगत ने कहा कि नशे की समस्या से प्रभावित व्यक्ति को समय पर उचित उपचार, चिकित्सकीय निगरानी, काउंसलिंग और परिवार का सहयोग मिले तो वह नशे की लत से बाहर निकलकर स्वस्थ एवं सामान्य जीवन की ओर लौट सकता है।

खास खबर

माडमसिल्ली बांध में मामा भांजे की डूबने से मौत

धमतरी। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले में मॉडम सिल्ली बांध में मछली पकड़ने गए मामा-भांजे की डूबने से मौत हो गई। दोनों 12 सितंबर की देर शाम गेदरापारा स्थित रपटा (चेक डैम) के पास मछली पकड़ रहे थे, तभी यह हादसा हुआ। रविवार को दोनों की लाश बरामद की गई है। देवकरण और लोकेश मांडवी रिश्ते में मामा-भांजे थे। मछली पकड़ते समय अचानक एक व्यक्ति का पैर फिसल गया और वह पानी के तेज बहाव में बहने लगा। उसे बचाने के प्रयास में दूसरा व्यक्ति भी तेज बहाव की चपेट में आ गया और दोनों बह गए। राज्य में बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग ने आज भी कई स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश का अलर्ट जारी किया है। एक-दो स्थानों पर गरज-चमक के साथ बिजली गिर सकती है। अगले दो दिनों में भी कई हिस्सों में बारिश के आसार हैं। पिछले 24 घंटे में अधिकांश स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश हुई।

हिस्ट्रीशीटर अजय महानंद गिरफ्तार, चोरी की दो वाहन बरामद

रायपुर। रायपुर एण्टी क्राईम एण्ड साईबर यूनिट और थाना पुरानी बस्ती पुलिस की संयुक्त टीम ने दोपहिया वाहन चोरी के मामले में बड़ी कार्रवाई करते हुए सिविल लाइन थाने के हिस्ट्रीशीटर अजय महानंद (23 वर्ष) को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से पुरानी बस्ती और विधानसभा थाना क्षेत्र से चोरी किए गए दो दोपहिया वाहन, जिनकी कुल कीमत करीब 80 हजार रुपये है, बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार आरोपी अजय महानंद थाना सिविल लाइन का हिस्ट्रीशीटर है। उसके विरुद्ध हत्या के प्रयास, आर्म्स एक्ट और मारपीट सहित आधा दर्जन से अधिक अपराध पूर्व में दर्ज हैं। आरोपी इन मामलों में जेल भी निरुद्ध रह चुका है। इसके अलावा उसके विरुद्ध प्रतिबंधात्मक धाराओं के तहत भी कार्रवाई की जा चुकी है।

बिलासपुर में ट्रेन से गांजा तस्करी, 4 तस्कर गिरफ्तार

बिलासपुर। बिलासपुर में गांजा तस्करी के लिए ट्रेन का इस्तेमाल किए जाने का एक और मामला सामने आया है। पुलिस ने ट्रेन से गांजा लेकर आए तीन युवक और एक महिला को गिरफ्तार किया है। 6 लाख 50 हजार रुपए कीमत का 13 किलो गांजा बरामद हुआ है। मामला मस्तूरी थाना क्षेत्र का है। सुदीप सरकार ने बताया कि नशे के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जा रही है। रविवार को सूचना मिली कि मस्तूरी क्षेत्र के जयरामनगर रेलवे फाटक के पास ओवरब्रिज के नीचे तीन युवक और एक महिला गांजा लेकर खड़े हैं। वे सीपत जाने के लिए वाहन का इंतजार कर रहे थे। सूचना मिलते ही एसीसीयू की टीम मौके पर पहुंची और घेराबंदी की। आरोपियों की पहचान सीपत के मटियारी निवासी आकाश सिसोदिया (21), उसकी पत्नी पूर्वा मालिया (20), मटियारी निवासी कृष्णा पांडेय (23) और मध्यप्रदेश के उमरिया निवासी नीरज नायक (19) के रूप में हुई।

रायपुर में हेरोइन के साथ तीन आरोपी गिरफ्तार, पुलिस ने 2 लाख का माल जब्त किया

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रायपुर में पुलिस ने हेरोइन (चिट्टा) के साथ तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 6.33 ग्राम हेरोइन, 13 हजार रुपए कैश, 4 आईफोन/मोबाइल और एक मोपेड जब्त की गई है। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 2 लाख रुपए बताई गई है। कार्रवाई सिविल लाइन थाना क्षेत्र के सांई नगर स्थित पॉम रेसीडेंसी के खंडहर में की गई। दरअसल, 13 सितंबर को एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सांई नगर के पॉम रेसीडेंसी खंडहर में कुछ लोग हेरोइन लेकर मौजूद हैं।

वे इसे बेचने के लिए ग्राहकों की तलाश कर रहे हैं। सूचना पर एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट, एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स और सिविल लाइन पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। मुखबिर के बताए हुलिए के आधार पर तीन संदिग्धों की पहचान की गई।

पुलिस टीम ने उनसे पूछताछ के लिए संपर्क किया तो वे भागने लगे। टीम ने घेराबंदी कर तीनों को पकड़ लिया। पूछताछ में उन्होंने अपना नाम आयुष दुबे, अदनान खान और अब्दुल रेहान बताया। तलाशी के दौरान आरोपियों के कब्जे से 6.33 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) मिली। पुलिस ने 13 हजार रुपए नकद, 4 आईफोन/मोबाइल फोन और मोपेड भी जब्त की। जब्त सामान की कुल कीमत करीब 2 लाख रुपए है।

लाइन थाने में धारा 21(बी) नारकोटिक एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कृषि विभाग की कार्रवाई, तीन व्यापारियों पर एफआईआर, गोदाम किए गए सील

बिना अनुमति कारोबार और स्टॉक की गड़बड़ी मिली

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खरीफ सीजन में कृषि सामग्री की जांच के दौरान रायपुर जिले में अनियमितता मिलने पर कृषि विभाग ने कार्रवाई की है। विभाग ने 3 व्यापारियों के खिलाफ पुलिस में एफआईआर दर्ज कराई है। 9 व्यापारियों पर कृषि सामग्री की बिक्री पर प्रतिबंध लगाया गया है, जबकि 3 गोदाम सील किए गए हैं। एक व्यापारी को स्पष्टीकरण जारी किया गया है।

राज्य और जिला स्तर की संयुक्त जांच टीम ने व्यापारियों के प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया था। जांच के दौरान बिना जरूरी अनुमति के उर्वरक, बीज और जैव उत्प्रेरक का व्यापार या भंडारण करने सहित अन्य अनियमितताएं मिलीं।

मेसर्स पुलकित बायोफर्टिलाइजर, हरियाणा और रविन्द्र कुमार मित्तल के खिलाफ बिना प्राधिकार पत्र के उर्वरक, बीज और उर्वरक का व्यापार करने पर एफआईआर दर्ज कराई गई है।

औचक जांच में सामने आईं कई अनियमितताएं

मेसर्स एकॉन क्रॉप साइंसेस इंडिया प्रा. लि., एमिरॉन ओवरसीस प्रा. लि., डेक्सीस एग्रो सोल्यूशन लि., भास्कर कृषि केन्द्र, अभनपुर कृषि केन्द्र और सोपन एग्रो केयर प्रा. लि. समेत कई अन्य प्रतिष्ठानों की भी जांच की गई। इस दौरान नियमों का पालन नहीं करने की कई कमियां मिलीं। कहीं बिना अनुमति के कृषि सामग्री का भंडारण मिला, तो कहीं कीटनाशकों की पैकिंग और रखने के तरीके में गड़बड़ी मिली। कुछ जगह एक्सपायरी हो चुके उत्पाद भी मिले, जबकि कई प्रतिष्ठानों में जरूरी रिकॉर्ड भी दर्ज नहीं किए गए थे। इन मामलों में संबंधित प्रतिष्ठानों पर बिक्री रोकने और नोटिस जारी करने की कार्रवाई की गई है।

उरकुरा स्थित श्रीनिधि मार्केटिंग सीएंडएफ में जांच के दौरान मेसर्स हॉक एग्रीकेम प्रा. लि., मेसर्स ओसियन एग्रीटेक प्रा. लि. और मेसर्स त्रिवेणी एग्रो केमिकल्स एंड इंडस्ट्रीज लि. से जुड़े भंडारण में अनियमितता मिली। यहां भंडारण से जुड़ी सामग्री मिलने पर गोदाम सील किया गया। वहीं मेसर्स आर.डी. इंटरप्राइजेस और मेसर्स डी.सी. इंटरप्राइजेस, रायपुरा में निरीक्षण में सहयोग नहीं करने पर बिक्री केंद्र सील किए गए।

जांच में सहयोग नहीं करने पर दो बिक्री केंद्र सील

उप संचालक कृषि ने बताया कि संबंधित व्यापारियों से स्पष्टीकरण मांगा गया है। उनके जवाब के बाद नियमों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उर्वरक से जुड़ी अनियमितता पर उर्वरक (नियंत्रण) आदेश 1985 और आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के तहत कार्रवाई होगी।

वहीं कीटनाशक से जुड़े मामलों में कीटनाशी अधिनियम 1968 और नियम 1971 के तहत कार्रवाई की जाएगी। कृषि विभाग के अनुसार कृषि आदानों की गुणवत्ता और बिक्री में नियमों के पालन को लेकर जांच आगे भी जारी रहेगी, ताकि किसानों को सही गुणवत्ता की सामग्री मिल सके।

शादी के चार महीने बाद नवविवाहिता की मौत, दहेज मांगने का आरोप

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के सनावल थाना क्षेत्र के ग्राम सेमरवा में दहेज प्रताड़ना से परेशान नवविवाहिता की आत्महत्या का मामला सामने आया है। पुलिस ने मर्ग जांच और परिजनों के बयान के आधार पर आरोपी पति और ससुर के खिलाफ कार्रवाई करते हुए दोनों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

पुलिस के मुताबिक, महिला की शादी मई 2026 में दिलीप कुमार यादव से हुई थी। परिजनों का आरोप है कि शादी के करीब एक महीने बाद से ही ससुराल पक्ष फ्रिज, वॉशिंग मशीन और सोने की अंगूठी की मांग को लेकर उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। लगातार विवाद और मारपीट से परेशान होकर महिला ने 9 सितंबर को गांव के पास स्थित बाऊली में कूदकर जान दे दी। घटना के दिन महिला घास काटने के लिए गई थी, लेकिन काफी देर तक घर नहीं लौटी। परिजनों ने तलाश शुरू की तो तालाब से उसका शव बरामद हुआ। सूचना पर कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पंचनामा और पोस्टमार्टम की कार्रवाई की गई। मर्ग जांच के दौरान परिजनों और गवाहों के बयान में दहेज प्रताड़ना के तथ्य सामने आने पर सनावल पुलिस ने बीएनएस की धारा 80 और 3(5) के तहत अपराध दर्ज किया।

मामले में पुलिस ने आरोपी पति दिलीप कुमार यादव (26) और ससुर सुरेश यादव (53) को 12 सितंबर को गिरफ्तार किया। दोनों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

पांच दिन से था गायब, सुबह पेड़ पर लटकी मिली ठेका कर्मी की लाश

श्रीकंचनपथ समाचार

कोरबा। कोरबा के जिले के उरगा थाना क्षेत्र अंतर्गत चिकनीपाली गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। बालको पावर प्लांट में काम करने वाले एक ठेका कर्मी की लाश पेड़ पर लटकती हुई मिली है। घटना से पूरे गांव में सनसनी फैल गई है। मृतक पिछले पांच दिनों से काम पर नहीं जा रहा था और मानसिक रूप से परेशान बताया जा रहा है।

मृतक की पहचान पूरन सिंह कंवर उम्र 50 वर्ष निवासी चिकनीपाली थाना उरगा के रूप में हुई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार शनिवार की रात पूरन सिंह ने परिजनों के साथ खाना खाया और अपने कमरे में चला गया। सुबह जब वह नजर नहीं

आया तो परिजनों ने उसकी खोजबीन शुरू की।

बताया जा रहा है कि सुबह जब गांव के कुछ लोग खेत की ओर काम करने गए, तभी घर से करीब 300 मीटर दूर एक पेड़ पर लटकती लाश पर उनकी नजर पड़ी। लोगों ने तत्काल इसकी सूचना परिजनों और उरगा थाना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। मृतक के पत्नी, बच्चे भी सूचना पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने बताया कि मृतक पिछले कुछ दिनों से काफी चुपचाप रहता था और परेशान चल रहा था। उसने यह कदम कब, कैसे और किन परिस्थितियों में उठाया, यह उनकी समझ से भी परे है।

मामले की जांच कर रहे उरगा थाना के एएसआई अमर जायसवाल ने बताया कि शव का पंचनामा कर पोस्टमार्टम कराया गया है। परिजनों का बयान दर्ज किया जा रहा है। पुलिस इस एंगल से भी जांच कर रही है कि मृतक बालको में किस ठेकेदार के अधीन काम करता था और क्या कार्यस्थल पर उसके साथ कुछ हुआ था, जिसके कारण वह मानसिक तनाव में था। फिलहाल पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है और आगे की जांच जारी है।

दुर्ग संभाग आयुक्त कार्यालय में नौकरी का झांसा दो लोगों से लिए 5 लाख रुपए, आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। दुर्ग में संभाग आयुक्त कार्यालय में चपरासी की नौकरी लगाने का झांसा देकर दो लोगों से 5 लाख रुपए लेने के मामले में पुलिस ने करीब 8 साल बाद आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी शमीम खान को 13 सितंबर को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपी ने दोनों लोगों से नौकरी लगाने के नाम पर पैसे लेना स्वीकार किया।

मामला पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का है। दरअसल, पुरैना निवासी डी. सत्य साई ने 17 नवंबर 2018 को पुरानी भिलाई थाने में शिकायत की थी। शिकायत के मुताबिक, शमीम खान ने संभाग आयुक्त कार्यालय दुर्ग में चपरासी के पद पर नौकरी

लगवाने का भरोसा दिया था। आरोपी ने शिकायतकर्ता और उसके परिचित सीएच बकुंठ राव से नौकरी लगाने के नाम पर कुल 5 लाख रुपए लिए थे। रकम देने के बाद भी दोनों की नौकरी नहीं लगी। इसके बाद आरोपी ने रुपए वापस भी नहीं किए। शिकायत मिलने पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू की।

बैंक रिकॉर्ड और वीडियो से मिले सबूत

जांच के दौरान शिकायतकर्ता ने पुलिस को लेन-देन से जुड़े दस्तावेज, बैंक का विवरण, लेन-देन का वीडियो और कर्ज से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराए। पुलिस ने इन सबूतों की जांच के साथ आरोपी से पूछताछ की।

पूछताछ में शमीम खान ने दोनों लोगों से नौकरी लगाने के नाम पर रुपए लेना स्वीकार किया। इसके बाद पुलिस ने 13 सितंबर को दोपहर 1:40 बजे उसे गिरफ्तार कर लिया।

यूनियन बैंक का विवरण और पेन ड्राइव जब्त

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ जांच के दौरान बैंक रिकॉर्ड और अन्य दस्तावेज जुटाए। आरोपी के पास से यूनियन बैंक का बैंक विवरण, लेन-देन का वीडियो रखने वाली पेन ड्राइव और कर्ज से जुड़े तीन दस्तावेज जब्त किए गए हैं।

आरोपी शमीम खान गुरुघासीदास वार्ड क्रमांक 44, कसारीडीह, दुर्ग का रहने वाला है। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

नशीले इंजेक्शनों की तस्करी का हुआ पर्दाफाश, गैंग का मुख्य सरगना गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। नशे के कारोबार और अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत चिरमिरी पुलिस ने प्रतिबंधित नशीले इंजेक्शनों की तस्करी के मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से नशीले इंजेक्शन बरामद किए हैं। यह कार्रवाई पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान मिले सुराग के आधार पर की गई।

थाना प्रभारी वासुदेव परगनिहा के अनुसार पुलिस ने इससे पहले रितेश समुन्द्रे उर्फ अभिषेक समुन्द्रे और माहिन खान उर्फ माही को पकड़ा था। दोनों आरोपी बिना नंबर की काले रंग की मोटर साइकिल से मनेन्द्रगढ़ की ओर से नशीले इंजेक्शन लेकर हल्दीबाड़ी चिरमिरी की तरफ जा रहे थे। सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम ने हल्दीबाड़ी मोड़ के पास घेराबंदी कर दोनों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से प्रतिबंधित नशीली दवाएं बरामद हुईं, जिनकी कीमत करीब 16 हजार रुपये बताई गई। पुलिस पूछताछ में गिरफ्तार आरोपियों ने नशीले इंजेक्शनों की सप्लाई के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। उनके अनुसार चिरमिरी निवासी अमन खान ने उन्हें नशीले इंजेक्शन उपलब्ध कराए थे। इस जानकारी के आधार पर पुलिस ने अमन खान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार मामले में एक युवती नाजिया, पिता सलमान खान को भी आरोपी बनाया गया है। दोनों की भूमिका और नशीले इंजेक्शन की सप्लाई से जुड़े नेटवर्क की जांच की जा रही है।

नशे के नेटवर्क की पड़ताल जारी

पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि प्रतिबंधित इंजेक्शन कहां से लाए जा रहे थे और इस नेटवर्क में और कौन-कौन लोग शामिल हैं। पूर्व में पकड़े गए आरोपियों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस आगे की कड़ियां जोड़ रही है। पुलिस का कहना है कि नशे के कारोबार में शामिल अन्य लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी से छेड़छाड़ के आरोप पर विवाद

युवक की पीट-पीटकर हत्या, 48 घंटे में सुलझी मौत की गुत्थी

श्रीकंचनपथ समाचार

महासमुंद। बसना थाना क्षेत्र की भंवरपुर चौकी अंतर्गत ग्राम बड़े साजापाली में परदेशी यादव की मौत के मामले में पुलिस ने 48 घंटे के भीतर गुत्थी सुलझाने का दावा किया है। शुरुआती तौर पर मामला संदिग्ध नजर आने के बाद पुलिस ने जांच तेज की और फॉरेंसिक टीम की मदद से घटनास्थल का निरीक्षण किया।

शरीर पर चोट के निशान मिलने के बाद बढ़ा शक

अस्पताल से मिले मेमो के बाद पुलिस ने मृतक के शरीर की जांच की, जिसमें चोट के निशान पाए गए। इसके बाद पोस्टमार्टम कराया गया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हत्या की आशंका सामने आने पर पुलिस

ने घटनास्थल की बारीकी से जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि घटना से पहले तीन लोग एक साथ शराब का सेवन कर रहे थे।

पत्नी से कथित छेड़छाड़ को लेकर हुआ विवाद

पुलिस के मुताबिक शराब पीने के दौरान मृतक परदेशी यादव और आरोपी मनोहर कोसरिया के बीच उसकी पत्नी से कथित छेड़छाड़ को लेकर विवाद हुआ। विवाद बढ़ने पर आरोप है कि मनोहर ने परदेशी के साथ हाथ-मुक्कों और लात से मारपीट की। मारपीट में परदेशी गंभीर रूप से घायल होकर अचेत हो गया। इसके बाद मनोहर कोसरिया और भानुप्रताप लहरे उसे मोटरसाइकिल से अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों से पूछताछ की। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में दोनों ने परदेशी के साथ मारपीट करने की बात स्वीकार की। आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने खून लगे कपड़े और वारदात में इस्तेमाल मोटरसाइकिल भी बरामद की है।

दोनों आरोपी गिरफ्तार न्यायिक रिमांड पर भेजे गए

मामले में पुलिस ने मनोहर कोसरिया और भानुप्रताप लहरे को गिरफ्तार कर लिया है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश करने के बाद न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट, फोरेंसिक जांच और पूछताछ से मिले तथ्यों के आधार पर मामले की जांच आगे बढ़ाई जा रही है।

जंगल में लकड़ी काटने से रोका तो भड़का ग्रामीण तलवार लहराकर दी जान से मारने की धमकी

श्रीकंचनपथ समाचार

बलरामपुर। बलरामपुर जिले के कोरंधा थाना क्षेत्र के ग्राम देवरी में जंगल से लकड़ी काटने से मना करने पर विवाद बढ़ गया। आरोप है कि एक ग्रामीण ने पहले मारपीट की और बाद में लोहे की तलवार लेकर ग्रामीणों को धमकाया। शिकायत के बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

पुलिस के अनुसार, 13 सितंबर की सुबह करीब 9 बजे प्रार्थी सुरजीत लकड़ा (30) ने गांव के उपसरपंच और अन्य ग्रामीणों के साथ राजेंद्र लकड़ा (45) को जंगल से लकड़ी काटने से रोका। आरोप है कि इससे नाराज राजेंद्र ने गाली-गलौज करते हुए सुरजीत के साथ हाथ-मुक्के से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसके कुछ देर बाद आरोपी

अपने घर से लोहे की तलवार लेकर पंचायत भवन के पास पहुंचा और तलवार लहराते हुए ग्रामीणों को धमकाने लगा। घटना की शिकायत मिलते ही कोरंधा पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 296, 351(3), 115(2) और आर्म्स एक्ट की धारा 25, 27 के तहत अपराध दर्ज किया। दबिश देकर राजेंद्र लकड़ा को हिरासत में लिया गया। पूछताछ के बाद उसे गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950